Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 270 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आरोग्य और वैराग्य, इन दोनों को सुरक्षित रखने के लिए अहिंसा अनिवार्य है।

Nonviolence is essential to secure health and asceticism.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

कानपुर एयरपोर्ट पर बम की अफवाह से हड़कम्प, आरोपी गिरफ्तार

कानपुर (आरएनएस)। कानपुर के चकेरी एयरपोर्ट पर शुक्रवार को बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। घटना तब हुई जब किसी सिरफिरे ने फोन करके एयरपोर्ट अधिकारियों को जानकारी दी कि एयरपोर्ट पर एक 72-सीटर हवाई जहाज में बम रखा गया है। यह जानकारी मिलते ही एयरपोर्ट प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तत्काल सक्रियता दिखाई। एयरपोर्ट पर तुरंत सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया गया और एयरपोर्ट के हर कोने को खंगालने की कार्रवाई शुरू कर दी गई।

उत्तराखंड में होगी 'वक्फ संपत्तियों' की जांच

देहरादून (आरएनएस)। वक्फ कानून में संशोधनों को लेकर जारी विरोध-प्रदर्शनों के बीच भाजपा की ओर से 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' चलाया जा रहा है। उत्तराखंड में भाजपा के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित एक दिवसीय 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' कार्यशाला में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई नेताओं ने भाग लिया। 'वक्फ सुधार जन जागरण अभियान' कार्यशाला के दौरान मुस्लिम महिलाओं ने मुख्यमंत्री पर फूल बरसाकर स्वागत किया। सीएम धामी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह राष्ट्रहित में लिया गया ऐतिहासिक फैसला है।

सीजीएमएससी प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने में निभा रही अहम भूमिका : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए और मुख्य अतिथि की आसंदी से उन्हें शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री सहित अतिथियों ने सीजीएमएससी सप्लाई चैन मैनेजमेंट एसओपी का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) की स्थापना वर्ष 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के कार्यकाल में हुई थी। इस संस्था की भूमिका राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और आवश्यक दवाओं व उपकरणों की समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। आज यह कॉरपोरेशन केवल आपूर्ति एजेंसी नहीं, बल्कि प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि श्री दीपक म्हस्के पूर्व में केमिस्ट्री विषय के शिक्षक रहे हैं। यह अनुभव अब उनके नेतृत्व में सीजीएमएससी के कार्यों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बल देगा, जिससे प्रदेश की जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ इस वर्ष अपनी राज्य

सीजीएमएससी के नए अध्यक्ष दीपक म्हस्के ने संभाला पदभार, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दी शुभकामनाएं

स्थापना का रजत जयंती मना रहा है। वर्ष 2000 में जब राज्य का गठन हुआ, तब से लेकर अभी तक प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार बेहतर हुई हैं। प्रदेश में एम्स जैसे संस्थान कार्यरत है और 13 मेडिकल कॉलेजों की भी स्थापना हो चुकी है, जो राज्य सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वास्थ्य किसी भी नागरिक की सबसे बड़ी पूंजी होती है और इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई आयुष्मान भारत योजना ने देश के करोड़ों गरीब परिवारों को नि:शुल्क इलाज की सुविधा दी है। छत्तीसगढ़ में भी लाखों परिवार इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्वास्थ्य मंत्री स्वयं ऊर्जावान और सक्रिय हैं और अब कॉरपोरेशन की जिम्मेदारी श्री दीपक महस्के जैसे कर्मठ और योग्य व्यक्ति को मिली है, तो निश्चित रूप से सीजीएमएससी प्रदेश के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में बड़ी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने संबोधन के अंत में श्री महस्के को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनका कार्यकाल छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को और अधिक प्रभावशाली, पारदर्शी एवं जनहितैषी बनाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि जेनेरिक दवाइयां, सर्जिकल सामग्री, मेडिकल उपकरणों की समय से उपलब्धता और आधारभूत स्वास्थ्य ढांचे की मजबूती के उद्देश्य के साथ वर्ष 2010 में इस कॉर्पोरेशन का गठन हुआ था। डॉ. सिंह ने कहा कि श्री म्हस्के जैसे योग्य, ईमानदार, दूरदर्शी और काबिल हाथों में इस कॉर्पोरेशन की जिम्मेदारी दी गई और वे अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में सफल होंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सिंह ने श्री म्हस्के को नए दायित्व मिलने पर अपनी शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम को स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने संबोधित कर सीजीएमएससी के कार्य, स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं, गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी साझा की।

इस अवसर पर विधायक श्री मोतीलाल साहू, विधायक श्री किरण देव, विधायक श्री अमर अग्रवाल, विधायक श्री सुनील सोनी, विधायक श्री रोहित साहू, विधायक श्री इंद्र कुमार साव, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया सहित निगम मंडलों के अध्यक्ष गण, जनप्रतिनिधिगण और अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एलन मस्क से की फोन पर बातचीत, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने टेस्ला के मुखिया एलन मस्क से बातचीत की है। पीएम ने इस बारे में सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पोस्ट में बताया कि इस वर्ष की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषयों सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत इन क्षेत्रों में अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में गुरु तेग बहादुर जी के पावन प्रकाश पर्व पर उन्हें अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की। पोएम ने बताया कि उनका जीवन साहस और करुणामय सेवा का प्रतीक है। अन्याय के खिलाफ लड़ने में वे अडिग थे। उनकी शिक्षाएं हमें उनकी ओर से देखे गए समाज के निर्माण में प्रेरित करती रहेंगी। इसके साथ ही पीएम ने अपने एक पोस्ट में एक और जानकारी दी है। पीएम ने बताया कि यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में गीता और नाट्यशास्त्र को शामिल किया गया है। पीएम ने कहा, यह दुनिया भर में फैले हर भारतीय के लिए यह गर्व का क्षण है। यह हमारी शाश्वत बुद्धिमत्ता और समृद्ध संस्कृति को मिली वैश्विक मान्यता है। गीता और नाट्यशास्त्र ने सदियों से सभ्यता और चेतना का पोषण किया है। उनकी अंतर्दृष्टि दुनिया को प्रेरित करती रहती है।

प्रधानमंत्री मोदी 12-13 फरवरी को अमेरिका दौरे पर गए थे। अमेरिका में एलन मस्क और मोदी की मुलाकात हुई थी। व्हाइट हाउस में मोदी और मस्क के बीच इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे नए और उभरते क्षेत्रों में साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर चर्चा की थी। इस मुलाकात में पीएम मोदी ने एलन मस्क के तीन बच्चों को भारतीय साहित्य की कुछ खास किताबें तोहफे में दी थीं।

हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण : मोदी

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीमद्भ भागवत गीता और भरत मुनि के नाट्यशास्त्र को यूनेस्को के मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल किए जाने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने इसे प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व का क्षण बताया।

करप्शन और कांग्रेस एक दूसरे के पर्याय : सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, करप्शन और कांग्रेस, ये पर्यायवाची शब्द जैसे हैं। नेशनल हेराल्ड मामले में भी जिस तरह के संस्थागत घोटाले और धोखाधड़ी किए गए, उसका सच जनता के सामने आ चुका है। मामले में ईडी द्वारा अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया जाना, घोटाले में पूरी तरह से उसकी संलिप्तता को दर्शाता है। भ्रष्टाचार के ऐसे मामलों में जांच एजेंसियों के काम में बाधा डालने की कोशिश या इसके विरुद्ध सड़क पर आना यह साबित करता

है कि कोर्ट में इनके पास अपनी सफाई में कहने को कुछ नहीं है। कांग्रेस को यह पता है कि आरोपियों के विरुद्ध साक्ष्य पुख्ता हैं। गांधी परिवार को अब यह मान लेना चाहिए कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। ऐसे मामलों में बचाव की कोशिश कोर्ट में करना चाहिये, न कि सड़क पर। वैसे भी सबको यह पता है कि नेशनल हेराल्ड मामले में गांधी परिवार फिलहाल अभी भी जमानत पर है। उन्हें कानूनी उपचार का सहारा लेना चाहिये। अनावश्यक प्रोपेगेंडा करने से कुछ हासिल होने वाला नहीं।

सीबीआई ने पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा के घर दी दबिश

रायपुर (आरएनएस)। बहुचर्चित शराब घोटाले में आरोपी पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद भी राहत मिलती नजर नहीं आ रही है. दिल्ली से आई सीबीआई की टीम ने टुटेजा के घर पर दबिश दी है. बता दें कि पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा शराब घोटाले के अलावा मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों के अलावा महादेव सट्टा एप मामले में भी जांच के दायरे में हैं. सीबीआई ने एक महीने पहले ही महादेव सट्टा एप मामले में अनिल टुटेजा के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक देवेंद्र यादव, आईपीएस अभिषेक पल्लव सहित अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की थी. हालांकि, आज अनिल टुटेजा के घर सीबीआई की छापेमारी के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं है.अनिल टुटेजा पहले से ही छत्तीसगढ़ शराब घोटाले के आरोपियों में से एक हैं. ईडी के अनुसार, भूपेश बघेल सरकार के समय सरकारी शराब के नाम पर 2 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला किया गया है. आरोप है कि घोटाले को अनिल टुटेजा के अलावा आबकारी विभाग के एमडी अरुणपति त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट के जरिए अंजाम दिया था.

एक मई से नहीं लागू होगा सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम, केंद्र ने जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को स्पष्टीकरण जारी करते हुए उन रिपोर्ट्स को खारिज कर दिया, जिसमें एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम लागू करने की बात कही गई थी। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि कुछ मीडिया हाउस की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि एक मई से राष्ट्रीय स्तर पर सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम लागू हो जाएगा और यह मौजूदा फास्टैग आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम को रिप्लेस करेगा।

मंत्रालय ने आगे कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय या भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा सैटेलाइट आधारित टोलिंग सिस्टम एक मई से लागू करने को लेकर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

टोल प्लाजा पर वाहनों की निर्बाध, बिना किसी परेशानी के आवाजाही को सक्षम करने और यात्रा के समय को कम करने के लिए चुनिंदा टोल प्लाजा पर एएनपीआर-फास्टैग बेस्ट बैरियर-लैस टोलिंग सिस्टम लागू किया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि यह एएनपीआर टेक्नोलॉजी, जिसमें नंबर प्लेट से वाहनों की पहचान की जाती है और फास्टैग सिस्टम, जो कि आरएफआईडी पर काम करता है, दोनों का मिश्रण होगा।

इस सिस्टम के तहत वाहनों से टोल हाई परफॉर्मेंस वाले एएनपीआर कैमरा और फास्टैग रीडर्स के माध्यम से लिया जाएगा, जिसमें वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता नहीं होगी।

रक्षा सचिव ने लंदन में की ड्रोन, निगरानी, डिफेंस स्पेस और विमानन पर चर्चा

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और यूनाइटेड किंगडम ने उभरते क्षेत्रीय और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा की है। यह समीक्षा रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह के दो दिवसीय लंदन दौरे के दौरान की गई। रक्षा सचिव ने यहां दोनों देशों की आर्मी, नौसेना और वायुसेना के बीच सैन्य संपर्क बढ़ाने पर भी विचार किया। ड्रोन, निगरानी, डिफेंस स्पेस और विमानन को लेकर भी यूनाइटेड किंगडम के साथ चर्चा की गई है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह 16 और 17 अप्रैल को लंदन की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस यात्रा में उन्होंने यूनाइटेड किंगडम के साथ वार्षिक द्विपक्षीय रक्षा वार्ता के लिए एक उच्च स्तरीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने रक्षा के लिए स्थायी अवर सचिव डेविड विलियम्स के साथ 24वीं भारत-यूके रक्षा सलाहकार समूह की बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों पक्षों ने उभरते क्षेत्रीय और वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य की समीक्षा के साथ-साथ रक्षा संबंधों को गहरा करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता जताई है।

परमाणु क्षमता बढ़ाने की तैयारी में भारत

विदेशी कंपनियों के लिए आसान हो जाएंगे कानून; ये है प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत सरकार विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने के लिए परमाणु दायित्व कानूनों में बदलाव की तैयारी कर रही है। सरकार की योजना ऐसे संशोधन करने की है, जिससे विदेशी आपूर्तिकर्ताओं की कानूनी जोखिम की चिंताएं कम हों। खासकर अमेरिकी कंपनियां, जैसे जनरल इलेक्ट्रिक और वेस्टिंगहाउस, असीमित दायित्व के कारण भारत में निवेश से अब तक हिचक रही थीं।

सूत्रों के अनुसार, सरकार 2010 के सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट की उन धाराओं को हटाना चाहती है, जो दुर्घटनाओं की स्थिति में आपूर्तिकर्ताओं पर असीमित मुआवजे का बोझ डालती हैं। नए मसौदे के तहत ऑपरेटर केवल अनुबंधित राशि तक ही आपूर्तिकर्ता से मुआवज़ा मांग सकेगा। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस लक्ष्य के तहत है, जिसमें वर्ष 2047 तक देश की परमाणु ऊर्जा क्षमता को 12 गुना बढ़ाकर 100 गीगावाट करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही भारत और अमेरिका के बीच संभावित व्यापार समझौते की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। सरकार को उम्मीद है कि मानसून सत्र (जुलाई 2025) में यह संशोधन संसद से पारित हो जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बदलाव भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को बल देगा और विदेशी तकनीक एवं निवेश को सुगमता से आकर्षित करेगा।

लोको पायलटो को दी जा रही हैं बेहतरीन सुविधाएं, वर्किंग कंडीशन में आया सुधार

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। लोको पायलट भारतीय रेल परिवार के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उनके वर्किंग कंडीशन को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। पिछले 10 वर्षों में लोको पायलटों के सभी रनिंग रूम को वातानुकूलित किया गया है और उन्हें अच्छे से सुसज्जित किया गया है।2014 से पहले देश का एक भी रनिंग रूम वातानुकूलित नहीं था।

पिछले 10 वर्षों में आधे से ज़्यादा लोको केबिनों को एर्गोनोमिक सीटों, वातानुकूलन और अन्य सुधारों के साथ अपग्रेड किया गया है। 2014 से पहले एक भी लोको केबिन वातानुकूलित नहीं था। सभी नये लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाए जा रहे हैं। 2014 से पहले यह निर्माण योजना का हिस्सा भी नहीं था। पुराने लोकोमोटिव्स में शौचालय लगाने के लिए रेट्रोफिटिंग की जा रही है। इसके लिए डिज़ाइन में संशोधन भी किए जा रहे हैं। जिन मार्गों पर भारी ट्रैफिक रहता है, वहाँ नए रनिंग रूम बनाए जा रहे हैं। इन प्रयासों से लोको पायलटो के वर्किंग आवर्स में उल्लेखनीय कमी आई है।

कोहरे में सुरक्षा के लिए फॉग- सेफ्टी उपकरण, कवच, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम और इंप्रूव्ड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी तकनीकों से रेलवे सेफ्टी बेहतर हुई है और लोको पायलटो को भी काफी सुविधा मिली है। ऑनबोर्ड सुविधाएँ, उन्नत तकनीकें और रेस्ट के लिए पर्याप्त समय से लोको पायलटो के कार्य वातावरण लगातार बेहतर हुए हैं।

मालगाड़ी सबअर्बन ट्रेन और पैसेंजर एवं मेल एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन करने वाले लोको पायलटों के टॉयलेट ब्रेक और स्नेक्स हेतु व्यवस्था रहती है। माल गाड़ियां कई स्टेशनों और यार्ड में रुकती हैं। इन स्टेशनों पर पर्याप्त समय होता है जिससे कर्मचारी शौचालय का उपयोग कर सकते हैं। साथ ही यह समय नाश्ते के लिए भी उपयोग में लाया जा सकता है। सबअर्बन तथा मेट्रो ट्रेनों का परिचालन अल्प दूरी के लिए किया जाता है और इनके चालक दल टर्मिनल स्टेशनों पर शौचालय का उपयोग करते हैं।

पैसेंजर ट्रेनों पर कार्यरत कर्मचारी स्टेशन पर ट्रेन के खड़े रहने के दौरान ट्रेन के शौचालय का उपयोग करते हैं और इस समय का उपयोग नाश्ते के लिए भी करते हैं। स्टेशन के कर्मचारी लोको पायलटों को सदैव सहयोग देते हैं। लोको पायलटो को वॉकी टॉकी की सुविधा भी दी गई है इसके द्वारा वह स्टेशन कर्मचारियों के संपर्क में रहते हैं।

बड़ी सफलता : सुकमा का पहला नक्सल मुक्त गांव बना बड़ेसट्टी

8 लाख के इनामी समेत 11 सक्रिय माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक बड़ी सफलता मिली है. ग्राम पंचायत बड़ेसट्टी को जिले का पहला नक्सल मुक्त ग्राम घोषित किया गया है. यह उपलब्धि छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण/पीड़ित राहत पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत नक्सली इलवद पंचायत योजना के तहत दर्ज की गई है. इस योजना के तहत ग्राम पंचायत बड़ेसट्टी के कुल 11 सक्रिय माओवादियों ने सामूहिक आत्मसमर्पण किया है, जिनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं. आत्मसमर्पण करने वालों में 3 पुरुष और 1 महिला नक्सली पर 2-2 लाख रुपये तथा 1 पुरुष नक्सली पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था. इस तरह कुल 8 लाख 50 हजार रुपये का इनामी नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं. छत्तीसगढ़ शासन की नीति के अनुसार, नक्सल मुक्त घोषित ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपये का विशेष प्रोत्साहन राशि विकास कार्यों के लिए प्रदान की जाएगी.

खान सुरक्षा महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बेंगलुरु में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सम्पन्न

बैंगलोर (विश्व परिवार)। खान सुरक्षा महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने 16 और 17 अप्रैल 2025 को बेंगलुरु में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसका विषय था 'खनन' (कोयला और गैर-कोयला) के बल्क मैटेरियल हैंडलिंग उपकरणों में सुरक्षा चुनौतियाँ मुख्य संरक्षक के रूप में डीजीएमएस के महानिदेशक उज्ज्वल ताह के मार्गदर्शन में।

डी. बागेश्वर नाइक, डीडीजी (मैक) अध्यक्ष, अजय सिंह, डीडीजी (इलेक्ट्रिक), आर टी मांडेकर, डीडीजी, एनडब्ल्यू जोन, सह संयोजक के रूप में, पी.एम. प्रसाद, सीएमडी, सीआईएल, अमिताव मुखर्जी, सीएमडी, एनएमडीसी, उदय ए. काओले, सीएमडी, एमसीएल, एन. बलराम, सीएमडी, एससीसीएल इस सेमिनार के संरक्षक हैं। गणमान्य व्यक्ति विनय कुमार, निदेशक (तकनीकी), एनएमडीसी, एस.के.सिन्हा, निदेशक (संचालन), एचसीएल, निर्भय संचेती, निदेशक (एसएमएस), आर.ए.मीना, डीडीजी (डब्ल्यूजेड), सुप्रियो चक्रवर्ती, डीडीजी (ईजेड), नीरज कुमार, डीडीजी (एनजेड), सत्यनारायण, सेमिनार की अध्यक्षता एससीसीएल के निदेशक ने की. सेमिनार में सीआईएल, एनएमडीसी, एससीसीएल, एचजेडएल, एचसीएल, एमसीएल, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू सहित खनन कंपनियों के अधिकारी, प्रमुख खनन संस्थानों के संकाय, वैश्विक खनन सुरक्षा संगठन और अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञ और उपकरण निर्माता शामिल हुए। सेमिनार में 30 तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए गए और खनन उद्योग में बल्क मटीरियल हैंडलिंग में वर्तमान सुरक्षा चुनौतियों को समझने और उनका विश्लेषण करने के लिए स्मारिका में कुल 58 पेपर प्रकाशित किए गए और संबंधित जोखिमों को कम करने के लिए आगे का रास्ता खोजने के लिए विचार-विमर्श किया गया। इस सेमिनार में सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने और खनन उद्योग में कार्यरत व्यक्तियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य में सुधार के लिए वैधानिक प्रावधानों के कार्यान्वयन को मजबूत करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान की गई। सेमिनार का समापन विदाई समारोह और प्रतिभागियों के अभिनंदन के साथ हुआ।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

संक्षिप्त समाचार

मरते पौधे को जीवन दे रहे हैं पीपला फाउंडेशन

आरंग (विश्व परिवार)। बरसात आते ही लोग पौधरोपण प्रारंभ कर देते हैं। पर नियमित देखभाल व सिंचाई नहीं हो पाने के कारण अधिकतर पौधे मर जाते हैं। वहीं सामाजिक संस्था पीपला फाउंडेशन के सदस्यगण बरसात में भाजपा मंडल के साथ मिलकर एक पेड़ मां के नाम पर लगाए सैकड़ों पौधों की नियमित देखभाल व सिंचाई कर रहें हैं। जिससे पौधों को जीवन मिल सके।फाउंडेशन के सदस्यों ने बताया पानी के अभाव में कई पौधे मरने के कगार पर हैं।जिसके लिए फाउंडेशन के सदस्यों को पानी की व्यवस्था के लिए काफी मशक्कत करना पड़ रहा है। वहां सिंचाई के लिए पानी की व्यवस्था नहीं है। इसलिए काफी दूर से पाइप की व्यवस्था कर पौधों की सिंचाई किया जा रहा है। वहीं नगरीय प्रशासन से पानी की समुचित व्यवस्था के लिए आग्रह किए हैं। जिससे लगाए पौधों को बचाया जा सके।

अवैध बोर खनन पर प्रशासन की कड़ी कार्रवाई, बोर वाहन जब्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देशानुसार जिले में अवैध बोर खनन पर कड़ी कर्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को विकासखंड कसडोल के ग्राम निठौरा में बिना अनुमति के बोर खनन करते पाए जाने पर एसडीएम गिरौद आर. आर. दुबे की उपस्थिति में राजस्व की टीम ने बोर खनन बंद करवार बोर वाहन को जब्त किया गया। एसडीएम श्री दुबे ने बताया कि ग्राम निठौरा परमानन्द के द्वारा बिना पूर्व अनुमति के बोर खनन कराया जा रहा था जिसे मौक़े पर बंद कराया गया और वाहन जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि गांव में सुव्यवस्थित पेयजल हेतु पी एच ई के अधिकारियों को जरुरी निर्देश दिये गए है। इस दौरान तहसीलदार निवेश कोरेटी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 23 अप्रैल को

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। जिले के शिक्षित युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार का अवसर प्रदान करने हेतु जिला मुख्यालय स्थित रोजगार कार्यालय परिसर में 23 अप्रैल 2025 को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त प्लेसमेन्ट कैम्प सुबह 11 बजे से 3 बजे तक आयोजित होगा। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि इस प्लेसमेन्ट कैम्प में नियोजक एक्सेट्रा ऑडनरी क्लास वर्ल्ड स्कूल बलौदाबाजार द्वारा टीचर के 4 पद, स्पोर्टस टीचर के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता स्नातक/स्नातकोत्तर (अंग्रेजी में), डीएड/बीएड उत्तीर्ण, अनुभव 1 से 3 वर्ष, उम्र 22 से 40 वर्ष, वेतन 7 हजार से 10 हजार रूपये पद के अनुसार देय होगा। कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। अर्जुन मोटर्स बलौदाबाजार द्वारा सेल्समेन के 3 पद, शैक्षणिक योग्यता 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण, उम्र 20 से 40 वर्ष, वेतन 8 हजार से 10 हजार रूपये, मैनेजर के 1 पद, शैक्षणिक योग्यता स्नातक उत्तीर्ण एवं अनुभव 5 वर्ष, उम्र 30 से 50 वर्ष, वेतन 15 हजार से 20 हजार रूपये तक देय होगा, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। दुर्गेश इंडस्ट्रियल सेक्यूरिटी रायपुर द्वारा ऑफिसर के 5 पद, सुपरवाईजर के 10 पद. सेक्यूरिटी गार्ड के 20 पद शैक्षणिक योग्यता से 10वीं से स्नातक उत्तीर्ण एवं अनुभव 0 से 6 वर्ष, वेतन 10 हजार से 22 हजार पद के अनुसार, कार्यक्षेत्र रायपुर, भिलाई होगा। काइजेन मोटोवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड सरोना रायपुर द्वारा सेल्स ऑफिसर 10 पद, शैक्षणिक योग्यता बीए, बीकॉम, बीबीए उत्तीर्ण, उम्र 20 से 27 वर्ष, वेतन 15 हजार रूपये, कार्यक्षेत्र बलौदाबाजार होगा। शिवशक्ति एग्रीटेक लिमिटेड बिलासपुर द्वारा सेल्स रिप्रेजेंटेटिव (केवल पुरूष) 30 पद. शैक्षणिक योग्यता 10वीं एवं 12वीं उत्तीर्ण, उम्र 18 से 40 वर्ष, वेतन 9 हजार 500 रूपये से 30 हजार रूपये तक कार्यक्षेत्र छत्तीसगढ़ होगा।

सुहाग फिल्म में छत्तीसगढ़ की संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का सजीव चित्रण : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री हुए भावुक, बोले सुहाग में दिखती है छत्तीसगढ़ की संस्कृति की अनुपम झलक

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विगत दिवस राजधानी रायपुर स्थित मैग्नेटो मॉल के सिनेमाघर में छत्तीसगढ़ी फिल्म 'सुहाग' के विशेष प्रदर्शन को देखने पहुँचे। फिल्म की संवेदनशीलता और पारिवारिक मूल्यों की गहराई ने मुख्यमंत्री को भीतर तक छू लिया। उन्होंने कहा कि मैंने जब इसका ट्रेलर लॉन्च किया था, तब भी यह फिल्म उम्मीद जगाती थी, लेकिन आज इसे देखकर मन भावुक हो गया।'सुहाग' केवल एक फिल्म नहीं है, यह हमारे छत्तीसगढ़ की आत्मा का दर्पण है।

मुख्य भूमिका में पद्मश्री सम्मानित और धरसीवा के विधायक श्री अनुज शर्मा के सशक्त अभिनय की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म में भावनाओं की इतनी गहराई है कि कई दृश्य ऐसे थे जहाँ आँखे नम हुए बिना नहीं रह सकीं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्री किरण देव सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और आयोगों/मंडलों के नवनियुक्त अध्यक्षगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'सुहाग' छत्तीसगढ़ी संस्कृति, रिश्तों की गरिमा और पारिवारिक परंपराओं का एक जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने याद किया कि छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद बनी पहली फिल्म मोर छइहां भुइहां भी पारिवारिक मूल्यों पर आधारित थी और आज सुहाग उसी परंपरा को और सशक्त बना रही है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ी सिनेमा की बढ़ती गुणवत्ता और उसमें निहित सांस्कृतिक गहराई की सराहना करते हुए कहा कि हमारे कलाकार, निर्देशक और पूरी टीम जिस समर्पण से काम कर रही है, वह सराहनीय है। उन्होंने न केवल मनोरंजन किया है, बल्कि छत्तीसगढ़ के दिल की बात पूरे भाव से प्रस्तुत की है। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित फिल्म सिटी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म सिटी केवल अधोसंरचना नहीं है, यह हमारे कलाकारों का सपना है। इससे छत्तीसगढ़ी सिनेमा को नई उड़ान मिलने के साथ ही हमारी संस्कृति को एक राष्ट्रीय पहचान भी मिलेगी।

ब्लैक स्पॉट पर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने व मादक पदार्थो के निर्माण एवं बिक्री पर कड़ी निगरानी पर जोर

कलेक्टर की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा एवं एनकॉर्ड की बैठक संपन्न

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय सडक सुरक्षा एवं नार्को समन्वय समिति (एनसीओआरडी) की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय के सभागार में संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सोनी ने नये चिन्हित ब्लैक स्पॉट में आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा हेलमेट के लिए नियमित जांच एवं जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिये। उन्होंने शारब एवं अन्य मादक पदार्थों के अवैध निर्माण एवं बिक्री पर संयुक्त टीम द्वारा लगातार कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

कलेक्टर ने दुकानदारों द्वारा सड़क पर अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए सभी नगरीय निकायों में अतिक्रमण मुक्त कराने अभियान चलाने के निर्देश दिये। निर्धारित वेंडिंग जोन में ही ठेला एवं गुमटियों को लगाने पर जोर दिया। उन्होने रोड किनारे ढाबा संचालको द्वारा ढाबो में लगाए गए सीसीटीवी कैमरे के एक माह का फूटेज प्रत्येक माह एसडीएम कार्यालय में जमा कराने कहा। नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम के लिए स्कूल शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारियो को निर्देशित किया।

6 नवीन ब्लैक स्पॉट- वर्ष 2025 में 6 नवीन ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन किया गया है जिसमें थाना पलारी अंतर्गत गोड़ा पुलिया, कसडोल में हड़हा चौक, सिमगा में बनसांकरा, चंदेरी ओवर ब्रिज, दरचूरा, भाटापारा में खोखली शामिल हैं। सरहनीय कार्य करने वाले होंगे पुरस्कृत- सड़क दुर्घना के दौरान घायलों को सहयोग करने में सराहनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को शासन द्वारा राशि प्रदान कर पुरस्कृत और प्रोत्साहित किये जायेंगे। बताया गया कि जनवरी 2025 से मार्च 2025 तक पुलिस विभाग द्वारा 7800 वाहनो पर चालानी कार्यवाही कर 70 लाख 10 हजार रुपये समन शुल्क वसूल किया गया है वहीं परिवहन विभाग द्वारा 5646 चालानों में एक करोड़ 4 लाख 89 हजार समझौता शुल्क की राशि प्राप्त किया गया। इसके साथ ही 95 ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन की कार्यवाही की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक सिंह, सभी एसडीएम, जिला परिवहन अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, सीएमएचओ सहित अन्य सम्बधित अधिकारी उपस्थित थे।

सी.बी.आई. ने सी.जी.पी.एस.सी. भर्ती से संबंधित मामले महासमुंद और रायपुर में 5 जगह पर स्टेनलेस ली में है

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रायपुर में तीन और महासमुंद में दो स्थानों पर पांच व्यक्तियों (बिचौलियों/सॉल्वरों आदि) के परिसरों पर तलाशी ली है। इससे आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद हुए हैं। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले (सीजीपीएससी भर्ती घोटाला) से संबंधित मामले की जांच के दौरान इन व्यक्तियों की भूमिका सामने आई। छत्तीसगढ़ सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने वर्ष 2020 से 2022 के दौरान परीक्षा/साक्षात्कार में योग्यता के अलावा अन्य कारकों के आधार पर करीबी रिश्तेदारों के छत्तीसगढ़ राज्य में डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य वरिष्ठ पदों पर चयन के आरोपों पर स्थानीय पुलिस द्वारा पहले दर्ज मामलों को अपने हाथ में लेते हुए मामला दर्ज किया था।

सीबीआई ने मामले में 18.11.2024 को सीजीपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष टमन सिंह सोनवानी और बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड, रायपुर के तत्कालीन निदेशक श्रवण कुमार गोयल को गिरफ्तार किया था। बाद में, सीबीआई ने नितेश सोनवानी (आरोपी तत्कालीन अध्यक्ष के भतीजे, डीसी के रूप में चयनित) और ललित गणवीर (तत्कालीन उप परीक्षा नियंत्रक, सीजीपीएससी) सहित पांच और आरोपियों को 10.01.2025 को गिरफ्तार किया, जबकि शशांक गोयल और भूमिका कटियार (दोनों डीसी के रूप में चयनित) और साहिल सोनवानी (डिप्टी एसपी के रूप में चयनित) को मामले में 12.01.2025 को गिरफ्तार किया गया। सीबीआई ने 16.01.2025 को रायपुर में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष टमन सिंह सोनवानी (ए-1), श्रवण कुमार गोयल (ए-2), शशांक गोयल (ए-3), सुश्री भूमिका कटियार (ए-4), नितेश सोनवानी (ए-5), साहिल सोनवानी (ए-6) और ललित गणवीर (ए-7) के खिलाफ एक आरोप पत्र भी दायर किया। बड़ी साजिश का पता लगाने के लिए अन्य उम्मीदवारों, सीजीपीएससी के अधिकारियों और अन्य के संबंध में आगे की जांच खुली रखी गई।

9 करोड़ 77 लाख की लागत से बन रही है 4 नई पानी की टंकी

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में पानी पूर्ति की आवश्यकता को देखते हुए 4 नई पानी की टंकी का निर्माण किया जा रहा है। सुपेला मार्केट, केम्प-02 पावर हाउस सर्कुलर मार्के, रामनगर मुक्तिधाम, खुर्सीपार क्षेत्र में निर्माण किया जा रहा है। जिसकी क्षमता वहां के आवश्यकता के अनुसार भिन्न-भिन्न है। पानी सप्लाई की पूर्ति सभी जगहो पर किया जा रहा है, लेकिन कुछ जगहो पर पानी का प्रेशर कम पड़ता था। जिसके कारण पानी बराबर उपर तक नहीं चढ़ पा रहा था। इसके लिए मांग चल रही थी कि शासन से स्वीकृति प्राप्त होते ही नियमानुसार निर्माण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

इससे पुरे भिलाई क्षेत्र के 25000 हजार से अधिक नागरिको को लाभ मिलेगा। जिसमें प्रमुख रूप से सुपेला, चिंगरी पारा, कांट्रेक्टर कालोनी, हार्डवेयर लाईन, इंदिरा नगर, रामनगर मुक्तिधाम क्षेत्र, पावर हाउस सर्कुलर मार्केट, श्याम नगर, महात्मा गांधी नगर, हमर गली, मजार लाईन, शीतला काम्पलेक्स, वीर शिवाजी नगर, यादव पारा, किशन चैंक, मिलन चैंक, मटन-मछली मार्केट एवं खुर्सीपार आदि क्षेत्रों में लोगो को सुविधा मिलेगा। पानी का प्रेशर बराबर रहेगा, बिना टूल्लू पम्प चलाये सबके छत तक पानी पहुचेगा। टंकी निर्माण का कार्य तीव्र गति से चल रहा है, अक्टूबर तक टंकी का निर्माण पूर्ण होने की संभावना है।

आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, जोन आयुक्त सतीश यादव, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, सहायक अभियंता नीतेश मेश्राम, उपअभियंता शंकर सुमन मरकाम, जोन सहायक स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, पीडब्लूडी सुपरवाइजर श्याम ठाकुर, जनप्रतिनिधि रवि त्रिलोचन, राजकुमार जायसवाल, प्रभूनाथ मिश्रा, सुपरवाइजर चूर्णमणी यादव आदि उपस्थित रहे।

बाजार व राजस्व प्रभारी चंद्रशेखर चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ किया गंजमण्डी व्यवसायिक परिसर का औचक निरीक्षण

व्यवसायिक परिसर में जल्द ट्रांसफार्मर लगवाने, दुकानों को हैंडओवर के साथ साफ-सफाई के दिए निर्देश

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार के निर्देश पर आज बाजार व राजस्व प्रभारी चंद्रशेखर चन्द्राकर द्वारा सहायक राजस्व एवं बाजार अधिकारी शुभम गोइर, शशिकांत यादव एवं टीम के साथ गंजमण्डी व्यवसायिक परिसर का निरीक्षण किया गया।प्रभारी द्वारा शॉपिंग काम्प्लेक्स में साफ सफाई करने के निर्देश दिए गए।गंजमंडी व्यवसायिक परिसर के शेष दुकानों को आबंटन करने की बात कही।जिनको दुकान आबंटन हुआ है उनका कहना है कि गंजमंडी व्यवसायिक परिसर जल्दी ट्रांसफार्मर का कार्य करने की मांग की है। जिसमे दुकानों में प्रकाश व्यवस्था बेहतर हो जाएगा। प्रभारी चंद्रशेखर चन्द्राकर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को कहा जितने लोगों को दुकान आबंटन हुआ है, इनको दुकान हैंडओवर करें।

उन्होंने ये भी कहा कि अवैध तरीके से दुकानो के बाजार में समान रखकर व्यवसाय करने वालों के विरुद्ध जुर्माना के साथ साथ समान जप्ती की कार्यवाही करने निर्देशित किया गया।बाजार प्रभारी ने कहा कि वहीं दुकानदारों की ओर से दुकानें के बाहर किए गए अतिक्रमण के चलते बाजार संकरे हो जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।जगह-जगह कई दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों के बाहर समान निकलकर रख देते है। दुकानों के बाहर लगाए समान के चलते लोगों का वहां हजूम एकत्रित हो जाता है। इसके चलते वाहन चालकों का निकलना तो दूर लोगों को पैदल तक गुजरने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कार के ऊपर बैठकर धूमपान, रायपुर पुलिस ने दबोचा

रायपुर (विसं)। लापरवाही पूर्वक कार के ऊपर बैठकर धूम्रपान करने वाले वायरल वीडियो के प्राप्त होते ही रायपुर पुलिस द्वारा आरोपी को पकड़ा गया! आरोपी के विरुद्ध प्रतिबंधक धारा और मोटर वाहन अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉक्टर लाल उमेद सिंह के आदेशानुसार यातायात ड्यूटी में तैनात अधिकारी कर्मचारियों को गर्मी से राहत एवं डिहाईड्रेशन से बचाव के उद्देश्य से पानी बोतल, इलेक्ट्रॉन पाउडर एवं छतरी वितरण करने निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन पर डॉक्टर प्रशांत शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर, सतीश ठाकुर एवं गुरजीत सिंह उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर की उपस्थिति में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के हाथों से यातायात व्यवस्था में तैनात अधिकारी कर्मचारियों को पानी बोतल इलेक्ट्रॉन पाउडर एवं छतरी का वितरण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा यातायात में तैनात सभी अधिकारी कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान हमेशा पानी बोतल रखने, इलेक्ट्रॉल पाउडर का उपयोग करने एवं छतरी के नीचे रहकर ड्यूटी करने निर्देश दिए। साथ ही रायपुर शहर की यातायात को सुगम सुरक्षित करने सभी अधिकारी कर्मचारियों को हर संभव प्रयास करने हेतु अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने बताया गया।

महापौर मधुसूदन यादव ने ली पार्षदों की बैठक, बजट सहित वार्डो में मूलभूत सुविधा के संबंध मे की चर्चा

वार्ड विकास के लिए प्राथमिकता तय कर कार्य कराने कहा

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव ने आज अपने कक्ष में निगम सीमाक्षेत्र के 51 वार्ड के पार्षदों की अलग अलग बैठक आहुत कर बजट सहित वार्डो में मूलभूत सुविधा बिजली, पानी, सफाई के अलावा अन्य कार्यो के संबंध में चर्चा की। बैठक में निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा एवं निगम अध्यक्ष श्री टोपेन्द्र सिंह पारस वर्मा, नेता प्रतिपक्ष श्री संतोष पिल्ले विशेष रूप से उपस्थित थे।

महापौर श्री यादव ने पार्षदो की अलग अलग बैठक लेकर कहा कि इस माह के अंत में बजट बैठक आहुत किया जाना है। बजट के संबंध में आप लोगों से सुझाव मंगाया गया है, सुझाव के साथ साथ वार्ड की समस्या एवं वार्ड में विकास कार्य कराने पत्र में उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा कि सुझावो को बजट में समाहित किया जायेगा, मूलभूत सुविधा व निर्माण तथा अन्य आवश्यक कार्य के लिए बजट में प्रावधान रहता है, इसके अलावा शासन स्वीकृति अनुसार वार्डो में विकास कार्य कराये जाते है। बजट में शासन द्वारा शहर के लिये स्वीकृत कार्य तथा शासन घोषणा एवं निकाय घोषणा पत्र के जन हित के कार्य को समाहित किया जायेगा। गर्मी को देखते हुए उन्होंने पार्षदों से वार्ड में पेयजल की स्थिति की जानकारी तथा अन्य कार्यो के संबंध में जानकारी ली।

पार्षदों ने पेयजल के लिये कम पानी आने, हैण्ड पंप मरम्मत, कुँआ सफाई कराने आदि के संबंध में जानकारी दी। कुछ पार्षदों ने ठीक से सफाई नहीं होने, निर्धारित समय तक सफाई नही होने तथा पर्याप्त सफाई कर्मी नहीं होने की बात कही। इसके अलावा बिजली समस्या व निर्माण कार्य एवं अन्य कार्य कराने अवगत कराया। इसके साथ ही राजस्व बढ़ाने संबंधी सुझाव भी दिये गए।

महापौर श्री यादव ने कहा कि इस वर्ष शिवनाथ नदी में जल स्तर कम होने से पेयजल में कठिनाई आ रही है। समुचित पेयजल सप्लाई के लिए दो दिन में तीन समय पानी दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैण्ड पंप मरम्मत कुँआ सफाई आदि के लिये विभागीय प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है, शहर के उपयोगी कुँआ, जिसका निस्तारी आदि के लिये उपयोग किया जा रहा है अपने अपने वार्ड की सूची देवे, जिससे उसकी सफाई करायी जा सके। हैण्ड पंप मरम्मत तथा कम पानी आने वाले क्षेत्रों में सिंटेक्स टंकी रखने के अलावा विद्युत व अन्य आवश्यक कार्यो के लिये अलग अलग पत्र देवे, जिससे विभागवार उसका निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि आगामी माह में पेयजल संकट वाले वार्डो में पानी सप्लाई के लिये किराये से टैंकर लेने की प्रक्रिया भी की गयी हैं। शादी एवं अन्य आयोजनों के लिये पहले से पत्र देने वार्डवासियों को बतावे तथा ड्रम आदि रखने कहे जिससे एक दिन पूर्व पानी डाला जा सके। उन्होंने निर्माण कार्यो के लिये शासन की स्वीकृति एवं निगम द्वारा भेजे गये प्रस्ताव की स्वीकृति के आधार पर प्राथमिकता तय कर वार्डो में विकास कार्य कराये जायेगे। उन्होंने कहा कि हम सबको मिल जुल कर नगर विकास के लिये कार्य करना है।

आयुक्त श्री विश्वकर्मा ने जानकारी दी कि वर्तमान में ओडीएफ प्लस प्लस एवं कचरा मुक्त शहर के लिये शासन की टीम द्वारा सर्वे किया जाना है। टीम अलग अलग वार्डो में जाकर सफाई एवं अन्य कार्य देखेगी, सभी पार्षदो को सहयोग करना है एवं वार्डवासियों से भी फिटबेक दिलाना है। उन्होंने सुशासन तिहार 2025 के संबंध में जानकारी देते हुये कहा कि प्रथम चरण में वार्डो में आयोजित शिविर में समस्या संबंधी आये आवेदनों का छटनी कर सूची बनाया जा रहा है, द्वितीय चरण में उसका निराकरण किया जाना है। तृतीय चरण में वार्डो के लिये आयोजित शिविरों में समाधान के साथ साथ शासन की योजनओं की जानकारी दी जायेगी, जिसमें शासन के मंत्री एवं अधिकारियों की आने की भी संभावना है। उन्होने 5 मई से 31 मई 2025 तक वार्डो के लिए आयोजित होने वाले शिविल स्तर की जानकारी दी, और कहा कि आप सबको शिविर में सहयोग करना है। बैठक में महापौर परिषद के सदस्यगण एवं पार्षदगण उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20002/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 18-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20002
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B0455A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. SHWETA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARUN KUMAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAPIL KUMAR BISEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BALIRAM BISEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20000/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 18-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20000
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568B00455** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DR. SHWETA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ARUN KUMAR SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANJALEE BISEN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KAPIL BISEN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20003/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 18-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. .20003
वार्ड का नाम- 69 - माधवराव सप्रे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568C1778A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJKUMAR SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KHUSHIRAM SHARMA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRATIKSHA TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAVI PRAKASH SHUKLA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

श्री आदित्य कुमार हालदार
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025

कलेक्टर ने अस्पतालों और राजस्व शिविरों का लिया जायजा

शहर में अटैच स्वास्थ्य कर्मियों को तत्काल रिलीव करने दिए सख्त निर्देश

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज ग्रामीण अस्पतालों और राजस्व शिविरों का जायजा लिया। उन्होंने स्टाफ की कमी से जूझ रहे दगौरी अस्पताल की अव्यवस्था पर गहरी नाराजगी जताई। यहां के स्वास्थ्य कर्मी शहरी अस्पतालों में संलग्न है। उन्होंने तुरंत संलग्नता समाप्त करते हुए उन्हें कार्यभार ग्रहण करने के सख्त निर्देश दिए है। अन्यथा वेतन रोक कर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने बिल्हा तहसील के अमेरी अकबरी और बोदरी तहसील के सिलपहरी में आयोजित राजस्व शिविरों का भी जायजा लिया। इसके अलावा सिलपहरी के उप स्वास्थ्य केन्द्र का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने दगौरी पीएचसी और सिलपहरी के उप स्वास्थ्य केन्द्र का बारीकी से निरीक्षण किया। दगौरी में शौचालय की साफ-सफाई न होने पर कलेक्टर बिफरे। बताया गया कि यहां हर माह 10-15 प्रसव होता है। प्रतिदिन 80-90 ओपीडी होती है। मेडिकल ऑफिसर ने बताया कि यहां फार्मासिस्ट सहित अन्य स्टाफ की कमी है। यहां के फार्मासिस्ट लीलावती मांझी, नेत्र सहायक संगीता गेडाम, पर्यवेक्षक प्रफुल्ल कुमार सिंह शहरी क्षेत्र में संलग्न है। कलेक्टर ने सीएचएओ को इनकी संलग्नता समाप्त कर दगौरी में कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। अन्यथा वेतन रोक कर इन पर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने सिलपहरी में आयोजित राजस्व शिविर का भी जायजा लिया। यहां किसानों को किसान किताब बांटा। ग्रामीणों से चर्चा कर खेती-किसानी सहित अन्य जानकारी ली। उन्होंने पूछा कि राशन ठीक से मिल रहा है कि नहीं ग्रामीणों ने बताया कि राशन हर महिने मिल रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि पानी की समस्या है। कलेक्टर ने सभी से अपील की कि गर्मी के मौसम में धान की फसल न लें। अन्य फसलें जैसे सब्जी, गेहूं की फसलें गर्मी के मौसम में ले जिसमें पानी की आवश्यकता कम होती है। उन्होंने अमेरी अकबरी में आयोजित राजस्व शिविर का भी जायजा लिया। यहां कुल 22 आवेदन मिले। कलेक्टर ने सभी आवेदनों का निराकरण जल्द करने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

मिनीमाता बांगो बांध में जल स्तर घटा

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले की बहुउद्देशीय हसदेव बांगो परियोजना के बांध के जल भराव में आयी कमी से चिंता होने लगी हैं। जानकारी के अनुसार बांध में आज की स्थिति में मात्र 1018.60 मिलियन घन मीटर जल भराव शेष है, जो कुल क्षमता का लगभग 35.19: है। बांध से सिंचाई के लिए जल प्रदाय किया जा रहा है, लेकिन वर्तमान में उपलब्ध जल की मात्रा सीमित है। अनुमान है कि वर्तमान जल प्रदाय दर से केवल 11 से 12 दिनों तक ही सिंचाई के लिए जल उपलब्ध हो पाएगा। बांध में कम से कम 868.80 मिलियन घन मीटर जल भराव रखना आवश्यक है, जो कुल क्षमता का लगभग 30: है। वर्तमान में उपलब्ध जल की मात्रा को देखते हुए, बांध के जल स्तर को बनाए रखने के लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है। कार्यपालन अभियंता ने अधीक्षण अभियंता को पत्र लिखकर मार्गदर्शन मांगा है। आगे की कार्यवाही के लिए जल संसाधन विभाग और संबंधित अधिकारियों के बीच चर्चा जारी है। कार्यालय कार्यपालन अभियंता, मिनीमाता बांगो बांध संभाग क्र. 3, माचाडोली जिला-कोरबा से ज्ञापन क्रमांक 962ध्कार्य प्रति 15.04.2025 के अनुसार, वर्तमान में बांध से 13.09 मिलियन घन मीटर प्रति दिन जल प्रदाय किया जा रहा है। सहपत्र के साथ यह पत्र अधीक्षण अभियंता, हसदेव परियोजना मंडल, रामपुर कोरबा को भेजा गया है।

पुसौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दिव्यांगजनों के लिए आयोजित हुआ शिविर

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों को शासन की योजना का लाभ प्रदान करने एवं उनके सुविधा हेतु जिले के समस्त विकास खंड में क्लस्टर स्तर पर दिव्यांग जनों का चिन्हांकन एवं यूडीआईडी प्रमाणीकरण तथा सामाजिक सहायता अन्तर्गत समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत विकासखंड धरमजयगढ़ के कापू एवं विकासखंड मुख्यालय में, लैलूंगा विकासखंड मुख्यालय एवं मुडागाँव, घरघोड़ा विकास खंड मुख्यालय के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं कुडुमकेला, तमनार विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सराईपाली में शिविर का आयोजन किया गया था। इसी क्रम में 17 अप्रैल को विकासखंड पुसौर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में दिव्यांगजनों के लिए शिविर का आयोजन किया गया। जिसका दिव्यांग जनों ने बढ़-चढ़ हिस्सा लेते हुए शिविर का लाभ लिए। शिविर में जिले के चिकित्सकों की विशेष टीम एवं समाज कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारियों उपस्थित रहे। आगामी 22 अप्रैल को पुसौर विकास खंड के बड़ेभंडार के प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र में शिविर आयोजित किया जाएगा । शिविर में नशा मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत लोगों को 21 प्रकार की दिव्यांगता की जानकारी दी जा रही है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि हम अपने आप ही अपनी गलती के कारण दिव्यांग बन जाते हैं और उसका एक मात्र कारण होता है नशा। नशा करने के कारण घातक बीमारियों से जूझना पड़ता है साथ ही विभिन्न दुर्घटनाओं के शिकार के फ्लस्वरुप दिव्यांग बन कर जीना पड़ता है। शिविर में पोषण पखवाड़ा के संबंध में भी विस्तृत जानकारी देने एवं शपथ ग्रहण भी करवाया जा रहा है।

सफलता की कहानी : बिहान ने संवारी नीलबती की जिंदगी

कोण्डागांव(विश्व परिवार)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'बिहान' योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत महिलाओं और युवतियों को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना से जुड़कर जिले की कई महिलाएं आज अपने पैरों पर खड़ी हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो रही हैं। इन्हीं में से एक हैं माकड़ी विकासखंड के ग्राम गुमड़ी की श्रीमती नीलबती नाग, जिन्होंने 'बिहान' से जुड़कर न केवल अपने परिवार को संबल दिया, बल्कि अपनी नई पहचान भी बनाई। पहले नीलबती नाग के परिवार को जीवनयापन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। वे और उनके पति श्री रामदयाल नाग मजदूरी कर किसी तरह अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। कठिन आर्थिक हालात और चुनौतियों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वर्ष 2014 में नीलबती 'बिहान' योजना से जुड़ीं और महिला बचत स्व-सहायता समूह की सदस्य बनीं। आज वे समूह में सचिव के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। माकड़ी विकासखंड की टीम के मार्गदर्शन में उन्होंने समूह की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित किया और उन्हें बिहान से जोड़ा। समूह से ऋण प्राप्त कर नीलबती ने अपने गांव में एक किराना दुकान की शुरुआत की। उन्होंने दुकान में स्थानीय जरूरत के अनुसार आवश्यक वस्तुओं को रखीं, जिससे गांववासियों को सुविधा मिली। आज नीलबती को किराना दुकान से प्रतिमाह लगभग 8,000 रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार की योजना से मती संगीता पटेल ने बढ़ाया आत्मनिर्भरता की ओर कदम

महतारी वंदन योजना ने सिखाया बचत और प्रबंधन के गुण, बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में कर रही बचत

कवर्धा(विश्व परिवार)। कबीरधाम जिला के ग्राम भागुटोला की रहने वाली मती संगीता पटेल आज आत्मनिर्भरता और आर्थिक प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बन गई हैं। उनके जीवन में परिवर्तन का यह सफर छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना से शुरू हुआ, जिसने उन्हें न केवल आर्थिक सहायता दी, बल्कि आत्मविश्वास से भर दिया। मती संगीता पटेल, एक गृहिणी और मां, अपने परिवार के लिए हमेशा कुछ बेहतर करना चाहती थीं। लेकिन सीमित आय के कारण उनके सपनों को साकार करना मुश्किल था। अब जब उन्हें महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता मिलने लगी, तो उनके जीवन में नई उम्मीद जागी। संगीता ने इस राशि का बुद्धिमानी से उपयोग करना शुरू किया। उन्होंने अपनी बेटी के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में खाता खुलवाया और हर महीने उसमें 500 रुपये जमा करने का निर्णय लिया। यह उनके बेटी के बेहतर शिक्षा और भविष्य के सपनों को साकार करने का पहला कदम था। बचे हुए 500 रुपये का उपयोग वह घर के अन्य खर्चों और बच्चों की जरूरतों को पूरा करने में करती हैं। मती संगीता बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए मुझे पति या सास-ससुर से पैसे मांगने पड़ते थे, जो कभी-कभी असहजता का कारण बनता था। लेकिन अब मुझे हर महीने अपनी जरूरतों के लिए पैसा मिलता है। यह केवल आर्थिक मदद नहीं है, बल्कि मेरे लिए आत्मसम्मान और आत्मविश्वास की भी बात है। इस योजना ने न केवल संगीता को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि उनके भीतर बचत और प्रबंधन का गुण भी विकसित किया है। अब वे अपने बच्चों के भविष्य के बारे में और अधिक सकारात्मक सोचने लगी हैं। मती संगीता ने छत्तीसगढ़ सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धन्यवाद करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना ने मेरे जैसे लाखों महिलाओं के जीवन में समृद्धि और आत्मविश्वास का संचार किया है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं है, बल्कि हमारे जीवन में स्थिरता और सम्मान लाने का माध्यम है।

सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत ने सीएचसी लैलूंगा में स्वास्थ्य सुविधाओं का लिया जायजा

रायगढ़(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लैलूंगा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र लारीपानी में स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान डॉ. भानुप्रताप पटेल, जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी, डॉ. सुमित कुमार शैलेन्द्र मण्डल, जिला नोडल अधिकारी उपस्थित रहें। सीएमएचओ डॉ.जगत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लैलूंगा पहुंचकर समस्त राष्ट्रीय कार्यक्रम के रिकार्ड संधारण एवं रिपोर्टिंग की समीक्षा की और वार्ड में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल की साफ -सफाई और मेडिकल व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य केंद्र में सभी अधिकारी/ कर्मचारियों को निर्धारित समय पर ड्यूटी में उपस्थित होने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने सेक्टर प्रभारियों से एम.टी बैठक में उच्च जोखिम गर्भवती की जांच कर संभावित प्रसव की अंतिम तिथि अनुसार टेलीफोनिक माध्यम व गृह भेंट के दौरान सम्पर्क कर संस्था में प्रसव कराने के निर्देश दिए। आयुष्मान भारत कार्ड योजना के तहत आईपीडी मरीजों के आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने एनीमिक महिलाओं को एनीमिया से बचाव व खान पान पर विशेष ध्यान रखने एवं बेहतर इलाज करने एवं सभी स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में ओ.आर.एस. घोल बनाने के निर्देश दिए।

तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को ठोंका

बिलासपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में हिट एंड रन का मामला सामने आया है. तेज रफ्तार कार ने राह चलते दो लोगों को टक्कर मारी. दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं. इनमें से एक की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है. इस हादसे में दो महिलाएं और बच्चे बाल-बाल बचे. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी आया है, जिसे देखकर आप हैरान रह जाएंगे. यह घटना तोरवा थाना क्षेत्र के महमंद-सिरगिट्टी बायपास पर हुई. घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया. हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है.

बालको ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए लागू की शिक्षा सहायता नीति

कोरबा-बालकोनगर(विश्व परिवार)। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए एक प्रगतिशील शिक्षा सहायता नीति लागू की। समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कंपनी द्वारा उठाया गया यह कदम ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु 1 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य शैक्षिक अंतर को कम करना और विकास के लिए नए रास्ते खोलना है। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए एक प्रगतिशील शिक्षा सहायता नीति लागू की है। समावेशी कार्यस्थल को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप कंपनी द्वारा उठाया गया यह कदम ट्रांसजेंडर कर्मचारियों को व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने हेतु 1 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इसका उद्देश्य शैक्षिक अंतर को कम करना और विकास के लिए नए रास्ते खोलना है। शिक्षा सहायता योजना उन सभी ट्रांसजेंडर कर्मचारियों पर लागू है, जिन्होंने कम से कम 18 महीने की सेवा पूरी कर ली है। इस पहल के माध्यम से बालको इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि वास्तविक समावेशी वातावरण तभी संभव है जब सभी को सीखने और कौशल अर्जित करने के समान अवसर प्रदान किए जाएँ, ताकि वे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों स्तरों पर आगे बढ़ सकें। बालको ने अपने विविधता, समानता और समावेशी चार्टर के तहत कई पहल को संस्थागत रूप दिया है। इनमें लिंग पुनः निर्धारण नीति सर्जरी के लिए वित्तीय सहायता, विशेष अवकाश के साथ ट्रांसजेंडर कर्मचारियों के लिए आवास सहायता भी शामिल है। संगठन में स्वीकृति और जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संवेदीकरण सत्र और सामुदायिक सहभागिता के विभिन्न कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मानते हैं कि समावेशी संस्कृति केवल एक नीति नहीं है बल्कि एक मूल्य है, जहाँ लिंग पहचान की परवाह किए बिना सभी को सीखने, बढ़ने और नेतृत्व करने के समान अवसर मिलते हैं। अपने ट्रांसजेंडर कर्मियों को उनकी पेशेवर आकांक्षाओं को साकार करने में सहयोग कर, समावेशी कार्यस्थल के निर्माण के लिए कटिबद्ध हैं। बालको में सुरक्षाकर्मी के रूप में काम करने वाली व्यावसायिक भागीदार सुमन ने कहा कि मैं बालको में काम करके वास्तव में धन्य महसूस करती हूँ।

विधायकों एवं जनप्रतिनिधियों ने हितग्राहियों के घर पहुंचकर किया सर्वे

मोर दुआर साय सरकार महाभियान

बिलासपुर(विश्व परिवार)। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वेक्षण के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के विशेष पहल पर 15 दिवसीय मोर दुआर-साय सरकार महाभियान शुरू किया गया है। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। बिलासपुर सहित पूरे राज्य में यह महाअभियान शुरू हो गया है। आज जिले के विधायकों सहित जनप्रतिनिधियों ने चारो ब्लॉक में हितग्राहियों के घर पहुंचकर सर्वे किया। जनप्रतिनिधियों के पहुंचने पर ग्रामीणों में भारी उत्साह दिखाई दिया। मोर दुआर-साय सरकार महाभियान का उद्देश्य

छत्तीसगढ़ के ऐसे ग्रामीण परिवारों की पहचान करना है, जिन्हें अब तक किसी भी आवासीय योजना के तहत पक्का आवास नहीं मिल सका है। उन्हें पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराना है। जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम पंचायत दगोरी में विधायक धरमलाल कौशिक द्वारा हितग्राही ज्योति देवार के घर पहुंचकर सर्वे किया गया। जनपद पंचायत बिल्हा के ग्राम पंचायत बेलतरा में विधायक सुशांत शुक्ला द्वारा हितग्राही निर्मला बाई मरावी और नहर बाई मानिकपुरी के घर पहुंचकर सर्वे किया गया। जनपद पंचायत तखतपुर के ग्राम पंचायत भीमपुर में विधायक धरमजीत सिंह द्वारा हितग्राही ललित बाई श्रीवास एवं सरस्वती श्रीवास के घर पहुंचकर सर्वे किया गया। जनपद पंचायत कोटा के ग्राम लालपुर मे 'मोर दुवार साय सरकार' अभियान के तहत आवास प्लस 2.0 आवास सर्वेक्षण पखवाड़ा का विधायक अटल श्रीवास्तव के द्वारा आरंभ किया गया। जिसमे विधायक द्वारा परमेश्वर राजपूत के परिवार का प्रतीकात्मक सर्वे किया गया। जनपद पंचायत मस्तूरी के ग्राम पंचायत बेल्टुकारी में विधायक दिलीप लहरिया द्वारा हितग्राही बालूराम मनहर, परमेश्वरी साहू और सुकृता साहू के घर पहुंचकर सर्वे किया गया। इस महाभियान में जिले के प्रत्येक गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस 2.0 के हितग्राहियों के सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जाएगा, ताकि योजनांतर्गत आवास की स्वीकृति एवं निर्माण कार्य कराया जा सके। यह महाभियान तीन चरणों में संचालित होगा।

कलेक्टर ने दृष्टिबाधित बच्चों को पढ़ाई के लिए दिया मोबाईल

बिलासपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक अवनीश कुमार शरण ने जिले की तीन दृष्टिबाधित स्कूली बच्चों को मोबाइल फोन, की बोर्ड और ओटीजी केबल प्रदान किए। समग्र शिक्षा की समावेशी शिक्षा योजना के तहत उन्हें ये सहायक उपकरण निःशुल्क वितरित किए। लाभान्वित दृष्टिबाधित बच्चों में शुभम सूर्यवंशी, पूर्व माध्यमिक शाला मंगला, शहरी स्त्रोत केन्द्र बिलासपुर, कु. अनुष्का पूर्व माध्यमिक शाला हरदीकला विकासखण्ड बिल्हा, कु. निशा मरावी, प्राथमिक शाला खरगहनी विकासखण्ड कोटा शामिल हैं। हितग्राही बच्चों एवं उनके रिसोर्स पर्सन को दिनांक 24 अप्रैल से 26 अप्रैल 2025 तक रायपुर में शैक्षिक आवश्यकता पूर्ति हेतु मोबाईल के अनुप्रयोग का प्रशिक्षण दिया जावेगा। समग्र शिक्षा के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दिव्यांग) हेतु समावेशी शिक्षा योजना संचालित है। जिसके अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का चिन्हांकन, शिक्षक एवं पालकों का उन्नमुखीकरण कार्यक्रम तथा बच्चों की आवश्यकता अनुसार उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराया जाता है। कलेक्टर ने लाभान्वित बच्चों से उनके शैक्षिक गतिविधियों के संबंध में चर्चा की तथा संबंधित शिक्षकों, बीआरपी एवं स्पेशल एजुकेटर को संवेदनशीलता के साथ कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय स्वास्थ्य की रक्षा व भारत की आत्मनिर्भरता

रणनीतिक संबंधों को.... मजबूत करने बड़ा कदम

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आसन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है, तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आसन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवत: यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान 'मित्र विभूषण' से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी 'पड़ोसी पहले' नीति और 'महासागर' दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

डा. अश्विनी महाजन

देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2022-23 में 114 टन से 78 प्रतिशत बढक़र वर्ष 2030 तक 203 लाख टन हो जाता है, तो इसका कुल प्रभाव यह होगा कि खाद्य तेलों का आयात घट जाएगा भारत के बारे में एक आम धारणा यह है कि भारत भयंकर भूख से पीड़ित देश है। अगर हम वेल्टहंगरहिल्फ की रिपोर्ट पर यकीन करें तो आज भी भारत 127 देशों की सूची में भूख के मामले में 105वें स्थान पर है। लेकिन सच यह है कि आज भारत में बड़ी संख्या में लोग वजन कम होने से कम, बल्कि मोटापे की समस्या से ज्यादा पीड़ित हैं। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के लोगों से खाद्य तेलों का इस्तेमाल कम से कम 10 प्रतिशत कम करने की अपील की है। प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी है कि साल 2050 तक भारत में 44 करोड़ लोग मोटापे की समस्या से पीड़ित होंगे, जो कई बीमारियों की जड़ है। गौरतलब है कि स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि टाइप-2 डायबिटीज, हृदय रोग, कैंसर और स्ट्रोक समेत कई बीमारियां मुख्य रूप से मोटापे की वजह से होती हैं। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2015-16 और 2020-21 के अनुसार, इन 5 वर्षों में मोटापे से पीड़ित महिलाओं की संख्या 20.6 प्रतिशत से बढक़र 24 प्रतिशत हो गई, जबकि पुरुषों में यह 18.9 प्रतिशत से बढक़र 22.9 प्रतिशत हो गई। यानी हमारी लगभग एक-चौथाई आबादी मोटापे से पीड़ित है। मोटापे की समस्या आम तौर पर जीवनशैली से जुड़ी होती है। इसके कई कारण हैं, जिनमें शारीरिक श्रम की कमी, वसा (खाद्य तेल), चीनी और नमक का अधिक सेवन शामिल है। अगर हम खाद्य तेलों के उपयोग की बात करें तो हम देखते हैं कि खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति खपत, जो 1950 से 1960 के दशक में प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष केवल 2.9 किलोग्राम थी, अब उद्योग रिपोर्ट के अनुसार बढक़र 19.4 किलोग्राम प्रति व्यक्ति वार्षिक हो गई है। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13 किलोग्राम की अनुशंसित खपत और आईसीएमआर (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) की सिफारिश, प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 12 किलोग्राम से कहीं अधिक है। गौरतलब है कि जनसंख्या 1951 में 35.4 करोड़ से बढक़र 2023 तक 143.8 करोड़ हो गई और इस अवधि के दौरान खाद्य तेलों की घरेलू उपलब्धता 13.8 लाख टन से बढक़र 114 लाख मीट्रिक टन हो गई। लेकिन इसी अवधि के दौरान 1951 में खाद्य तेलों के नगण्य आयात की तुलना में, 2022-23 तक यह 164.7 लाख टन तक पहुंच गया। घरेलू उत्पादन में आयात को जोडक़र, खाद्य तेलों की कुल उपलब्धता 2022-23 तक 278.7 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई। यह ध्यान देने योग्य है कि यदि खाद्य तेलों की खपत आईसीएमआर द्वारा अनुशंसित सीमा के भीतर हो तो भले ही घरेलू उत्पादन मौजूदा स्तर पर बना रहे, भारत को खाद्य तेलों के आयात की आवश्यकता केवल 56.64 लाख मीट्रिक टन होगी। खाद्य तेल मिशन : देश को खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा आयात पर बोझ कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 2024 में खाद्य तेल मिशन शुरू किया गया, जिसके अनुसार 10103 करोड़ रुपए का व्यय किया जाएगा तथा प्राथमिक तिलहनों का उत्पादन वर्ष 2022-23 में 390 लाख टन से बढ़ाकर अगले 7 वर्षों में 697 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा जा सकता है कि इससे आयात पर निर्भरता कम होगी। और यदि प्रधानमंत्री की अपील भी कारगर रही तो आयात और भी कम हो जाएगा। घटिया तेलों की खपत भी कम होगी : वर्तमान में भारत में उत्पादित खाद्य तेलों का 67.4 प्रतिशत विभिन्न प्राथमिक तिलहनों से, 5.1 प्रतिशत नारियल से, 2.2 प्रतिशत ताड़ से, 11.0 प्रतिशत कपास के बीजों से, 9.8 प्रतिशत चावल की भूसी से, 3.1 प्रतिशत तिलहनों के सॉल्वेंट निष्कर्षण से तथा 1.4 प्रतिशत वनों एवं वृक्षों से प्राप्त होता है। देश में विभिन्न प्रकार के तिलहनों का उत्पादन पारंपरिक तरीके से किया जाता है। भारत के पारंपरिक खाद्य तेल काफी हद तक स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। लेकिन विदेशों पर हमारी निर्भरता के कारण देश में बड़ी मात्रा में ऐसे तेल आयात और उपयोग होने लगे, जिन्हें स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। यह भी माना जाता है कि जीएम खाद्य तेलों का भी अवैध रूप से बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। आज जब भारत में खाद्य तेलों की कुल खपत का 57 फीसदी आयात से पूरा होता है, जिसमें से 59 फीसदी पाम ऑयल से आता है। इसके अलावा सूरजमुखी तेल, सोयाबीन तेल, पाम ऑयल का भी आयात किया जाता है। भारत के अपने उत्पादित तेलों में सरसों तेल की हिस्सेदारी 33 फीसदी, मूंगफली तेल की 25.4 फीसदी और सोयाबीन की 19 फीसदी है। सरसों तेल का भारतीय खानपान में काफी महत्व है और यह सबसे ज्यादा लोकप्रिय भी है। लेकिन खाद्य तेलों के अपर्याप्त उत्पादन और प्रति व्यक्ति खपत में लगातार वृद्धि तथा बढ़ती जनसंख्या के कारण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक पाम ऑयल जैसे तेल भी बड़ी मात्रा में भारत में प्रवेश कर चुके हैं। पाम ऑयल के हानिकारक प्रभाव : भारत में बड़ी मात्रा में आयात किया जाने वाला पाम ऑयल, जो अब हमारी खाद्य श्रृंखला का एक प्रमुख हिस्सा बन चुका है, वास्तव में स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक है। इसमें संतृप्त वसा की उच्च मात्रा के कारण हानिकारक एलडीएल कोलेस्ट्रॉल बढऩे की संभावना है, जिससे हृदय रोग, मोटापा और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन सस्ता होने के कारण इसका आयात लगातार बढ़ रहा है। यह भी माना जाता है कि भारत में सरसों के तेल में ब्लेंडिंग के नाम पर बड़ी मात्रा में पाम ऑयल मिलाकर बेचा जाता है। इसके अलावा जीएम तेलों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव की चिंता भी महत्वपूर्ण है। सही समय पर सही सलाह : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के लोगों को दी गई यह सलाह कि उन्हें अपने भोजन में खाद्य तेलों का उपयोग कम करना चाहिए, एक नेक सलाह है। यह अनुभव किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी लोकप्रियता के कारण लोगों को जो भी सलाह या अपील करते हैं, उसका लोगों पर निश्चित रूप से महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। चाहे खुले में शौच से जुड़ी अपील हो, या स्वच्छता की बात हो, या कोविड के दौरान टीका लगवाने की सलाह हो, या गैस सब्सिडी छोडऩे की बात हो, ऐसे कई उदाहरण हैं जहां लोगों ने प्रधानमंत्री की बातों को बहुत गंभीरता से लिया और देश तथा समाज को इससे बहुत लाभ हुआ। इसी तरह प्रधानमंत्री द्वारा लोगों को अपने भोजन में खाद्य तेलों की खपत 10 प्रतिशत कम करने की दी गई सलाह वास्तव में देश के लोगों के स्वास्थ्य और देश की अर्थव्यवस्था दोनों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। वर्ष 2030 में 151 करोड़ की अपेक्षित आबादी के साथ, यदि देश में खाद्य तेलों की प्रति व्यक्ति वार्षिक खपत 10 प्रतिशत कम हो जाती है, वहीं दूसरी ओर खाद्य तेल मिशन के उद्देश्यों के अनुसार देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2022-23 में 114 टन से 78 प्रतिशत बढक़र वर्ष 2030 तक 203 लाख टन हो जाता है, तो इसका कुल प्रभाव यह होगा कि देश में खाद्य तेलों का आयात वर्तमान 164.7 लाख टन से घटकर मात्र 60.7 लाख टन रह जाएगा, यानी आयात में 63 प्रतिशत की कमी आएगी। देश से बहुमूल्य विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन भी आनुपातिक रूप से कम हो जाएगा। लेकिन इसके साथ ही, यदि हमारे खाद्य तेल की खपत कम हो जाती है, तो वर्ष 2030 तक देश में मोटापे से ग्रस्त लोगों की संख्या वर्तमान जनसंख्या के एक-चौथाई से बढक़र 44 प्रतिशत हो सकती है, की चिंता का भी कुछ हद तक समाधान हो जाएगा। इससे बीमारियां कम होंगी, बीमारियों पर होने वाला खर्च बचेगा और साथ ही लोगों की कार्यक्षमता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इतना ही नहीं, देश के किसान, जो सस्ते पाम ऑयल के आयात के कारण फिलहाल तिलहनों का उचित मूल्य नहीं प्राप्त कर पा रहे हैं, उन्हें भी अपने तिलहनों पर बेहतर मूल्य मिलने लगेंगे, जिससे देश में तिलहन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

आलेख

द रिपब्लिक ऑफ स्टोरीटेलिंग इस क्षेत्र में अगली सफलता भारत के पूर्व से क्यों आनी चाहिए

फिरदौसुल हसन

हम उस दौर से गुजर रहे हैं, जहाँ एक शांत क्रांति जारी है। यह उस तरह का नहीं है जो सुर्खियों में रहे या सोशल मीडिया पर छा जाए - बल्कि यह उस तरह का है जो सतह के नीचे गूंजता रहे। यह सब साधारण संपादन कक्षों में हो रहा है, उधार लिए गए लैपटॉप द्वारा संचालित एक्सआर लैब्स में, शयनकक्षों में जहां सिलचर का एक 22 वर्षीय युवक अपनी दादी की युद्ध की यादों के बारे में एक कहानी को एनिमेट करता है। यह उन गाँवों में हो रहा है जहाँ बच्चे अपने स्मार्टफोन पर बांग्ला जासूसी श्रृंखला का आनंद लेते हैं और उन स्टूडियो में भी जहां तमिल स्क्रिप्ट को एआई द्वारा 17 भारतीय भाषाओं में डब किया जा रहा है। इस समय भारत अब कला और संहिता के चौराहे पर है और एक बार फिर सड़क का यह दोराहा घर की ओर ले जाता है। बहुत लंबे समय तक, भारतीय सिनेमा को या तो बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस या इसके अंतर्राष्ट्रीय समारोहों की स्वीकृति से मापा जाता था। यह एक संकीर्ण दृष्टिकोण था। हम जिस चीज से चूक गए, वह थी शांत शक्ति जो बीच में निहित थी: लोक यथार्थवाद, आदिवासी मिथक, इंडी एनीमेशन, जमीनी स्तर पर गेमिंग - ऐसे रूप जो 90 के दशक में विपणन योग्य नहीं थे, लेकिन आज उपार्जन के योग्य हैं। वर्तमान सरकार को इसका श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने इस बड़े बदलाव को जल्दी महसूस किया और इस पर स्पष्टता और मजबूत इरादे के साथ इस पर काम किया है। वेव्स 2025, क्रिएट इन इंडिया चैलेंज और वेवएक्ससेलेटर जैसी पहलें केवल नीति-स्तर के संकेत नहीं हैं। ये घोषणाएँ हैं कि भारत की रचनात्मक पूंजी अब एक राष्ट्रीय संपत्ति है और किस्से-कहानीयों को सुनाना अब संस्कृति का एक सजावटी उप-उत्पाद नहीं है, बल्कि कूटनीति, नवाचार और अर्थव्यवस्था का एक इंजन है। क्योंकि कहानी सुनाना अब केवल भावनात्मक मुद्रा नहीं है-यह आर्थिक पूंजी बन गया है। अकेले एवीजीसी-एक्सआर क्षेत्र के 2025 तक 45,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो सालाना लगभग 17 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। ओटीटी सामग्री की खपत में साल-दर-साल 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें क्षेत्रीय कंटेंट अब कुल दर्शकों का 55 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बना रहा है (फिक्की-ईवाई 2024)। यह कोई एक प्रवृत्ति नहीं है। यह एक नई सामग्री अर्थव्यवस्था आकार ले रही है और इस बार, यह बहुभाषी और बहु-भौगोलिक मिथक से बाज़ार तक: पूर्व जागृत हो राजा है आइए अब स्पष्ट रूप से बात करें। यदि भारत वास्तव में दुनिया की कंटेंट राजधानी बनना चाहता है, तो वह केवल मुंबई-दिल्ली केंद्रित नहीं रह सकता। वैश्विक किस्से-कहानीयों को कहने की अगली सफलता पूर्व और उत्तर-पूर्व से आनी चाहिए - उन भूमियों से जिन्होंने लंबे समय से भारत को उसकी सबसे मौलिक साहित्यिक, संगीतमय और दार्शनिक आवाजें दी हैं। ये क्षेत्र अविकसित नहीं हैं। बल्कि वे कम जुड़े हैं। उनके पास कहानियों की कमी नहीं है। वह मौलिकता से भरे हैं - आओ और खासी के मौखिक रहस्यवाद से लेकर बांग्ला सिनेमा के गीतात्मक यथार्थवाद तक, संथाल महाकाव्यों से लेकर बोडो विज्ञान-कथा रूपकों तक। ऐतिहासिक रूप से उनके पास संरचनात्मक बाजारों, किफायती उपकरणों, वितरण और सही प्लेटफार्मों तक पहुंच की कमी रही है। शुक्र है कि यह बदलने लगा है। आज, कोलकाता इस अप्रयुक्त प्रतिभा के गलियारे के लिए एक रणनीतिक प्रवेशद्वार के रूप में उभर रहा है। प्रोडक्शन के लिए तैयार स्टूडियो, प्रशिक्षित तकनीशियनों की प्रचुरता, विश्व स्तरीय पोस्ट सुविधाएं और प्रयोग के साथ विरासत को मिलाने वाली बौद्धिक संस्कृति के साथ, बंगाल भारत का अगला विशाल कंटेंट केंद्र बनने के लिए तैयार है। इसके अलावा असम, त्रिपुरा, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश से इसकी निकटता को भी जोड़ लें, तो हम एक क्षेत्र नहीं, बल्कि एक रचनात्मक इकोसिस्टम को देख रहे हैं, जो सक्रिय होने की प्रतीक्षा कर रहा है। स्थानीय लोग आश्चर्यजनक। लागतें प्रबंधनीय। क्रू सदस्य बेहतर प्रदर्शन के लिए अति उत्साही। बुनियादी ढांचा तेजी से वृद्धि।

वेव्स बाज़ार: मीडिया और मनोरंजन के वैश्विक मंच पर भारत का निर्णायक लगान क्षण.....

आमिर खान

भारत मनोरंजन और मीडिया उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, यह तेजी से बढ़ रहा है और लगातार विकसित हो रहे परिदृश्य में फल-फूल रहा है। हम इंटरनेट कनेक्शन पर ऑडियो और वीडियो फ़ाइलों को निरंतर प्रसारित करने की सेवाओं, क्षेत्रीय भाषा निर्माणों और तकनीक-प्रेमी दर्शकों के उदय से प्रेरित विविध प्लेटफार्मों पर सामग्री निर्माण में उछाल देख रहे हैं, जो ताजा, आकर्षक और समावेशी कथाओं की मांग करते हैं। यह समझना महत्वपूर्ण है कि इस क्षेत्र में भारत के लिए अपार संभावनाएं हैं, न केवल मनोरंजन के स्रोत के रूप में बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, आर्थिक विकास और वैश्विक प्रभाव के लिए एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में। विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन, जिसे संक्षिप्त शब्द वेव्स के नाम से जाना जाता है, 1 से 4 मई, 2025 तक मुंबई, महाराष्ट्र में भारत सरकार द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो भारत के बढ़ते सम्मान और उसकी बढ़ती पहचान का गवाह होगा और वेव्स बाज़ार इस आयोजन का एक प्रमुख भाग है। उद्योग में दशकों बिताने वाले व्यक्ति के रूप में, मेरा मानना है कि कहानी सुनाने में एकजुट होने, प्रेरित करने और बदलने की ताकत है। वेव्स और वेव्स बाज़ार के साथ, हम वैश्विक मनोरंजन समुदाय के लिए अधिक सहयोगी और समावेशी भविष्य बनाने की दिशा में एक साहसिक कदम उठा रहे हैं।

वेव्स बाज़ार वैश्विक मनोरंजन इकोसिस्टम में पेशेवरों, व्यवसायों और रचनाकारों को जोड़ने के लिए तैयार किया गया एक क्रांतिकारी ऑनलाइन बाज़ार बनने का प्रयास है। सहजता से और मिलजुलकर काम करने को बढ़ावा देने के अपने मिशन के साथ, वेव्स बाज़ार मीडिया और मनोरंजन उद्योग के लिए अंतिम व्यावसायिक केन्द्र के रूप में काम करने का प्रयास करता है, जिससे पेशेवरों को अपनी पहुँच का विस्तार करने, नए अवसरों की खोज करने और उच्च-मूल्य वाली साझेदारियों में शामिल होने में मदद मिलती है। 27 जनवरी, 2025 को केन्द्रीय सूचना और प्रसारण, रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा आधिकारिक रूप से शुरू किया गया, वेव्स बाज़ार मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में वेव्स शिखर सम्मेलन को एक प्रमुख कार्यक्रम में बदलने के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने में एक महत्वपूर्ण साधन है, जो वित्त और अर्थव्यवस्था क्षेत्रों के लिए दावोस शिखर सम्मेलन जैसा है। मेरा मानना है कि शुरूआत के बाद से, एमऔरई सेक्टर के विभिन्न क्षेत्रों से 5500 खरीदार, 2000 से ज़्यादा विक्रेता और लगभग 1000 प्रोजेक्ट पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। लंबे समय में, पोर्टल को एमऔरई उद्योग के लिए एक व्यापक कंटेंट मार्केटप्लेस और नेटवर्किंग हब के रूप में विकसित होने की उम्मीद है, जिसमें एआई-संचालित प्रोफाइलिंग और मैचमेकिंग टूल शामिल हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म के भीतर ऑनलाइन पिचिंग सेशन, वर्चुअल बी2बी मीटिंग, वेबिनार और बहुत कुछ की मेजबानी करेगा। वेव्स बाज़ार एक अनूठा ई-मार्केटप्लेस है जो मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाता है - जिसमें फ़िल्म, टेलीविज़न, एनीमेशन, गेमिंग, विज्ञापन, एक्सआर, संगीत, साउंड डिज़ाइन, रेडियो और बहुत कुछ शामिल है। यह प्लेटफ़ॉर्म खरीदारों और विक्रेताओं के बीच एक पुल के रूप में कार्य करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि उद्योग के पेशेवर आसानी से अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन कर सकें, संभावित ग्राहकों से जुड़ सकें और सार्थक सहयोग प्राप्त कर सकें। चाहे आप एक फिल्म निर्माता हों जो एक प्रोडक्शन पार्टनर की तलाश कर रहे हों, एक विज्ञापनदाता जो सही मंच की तलाश कर रहे हों, एक गेम डेवलपर जो निवेशकों की तलाश कर रहे हों, या एक कलाकार जो अपने काम को वैश्विक दर्शकों के सामने प्रदर्शित करना चाहते हों, वेव्स बाज़ार उद्योग के पेशेवरों को नेटवर्क, सहयोग और अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए एक गतिशील स्थान प्रदान करने की आशा करता है। वेव्स बाज़ार एक एकीकृत बी2बी बाज़ार है जो वैश्विक मनोरंजन उद्योग के जुड़ने, सहयोग करने और बढ़ने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। फिल्म, टेलीविजन, संगीत, गेमिंग, एनीमेशन, विज्ञापन और एक्सआर, एआर और वीआर जैसी इमर्सिव तकनीक के पेशेवरों को एक साथ लाकर, यह प्लेटफ़ॉर्म विविध रचनात्मक क्षेत्रों में लिस्टिंग, खोज और लेन-देन के लिए एक व्यापक स्थान प्रदान करता है। चाहे आप वितरण चाहने वाले निर्माता हों, नए आईपी की तलाश करने वाले गेम डेवलपर हों या लाइसेंसिंग अवसरों की तलाश करने वाले साउंड डिज़ाइनर हों, वेव्स बाज़ार श्रेणी-विशिष्ट लिस्टिंग, सुरक्षित व्यूइंग रूम और क्यूरेटेड नेटवर्किंग सुविधाओं के साथ पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है। निर्बाध व्यावसायिक संपर्कों के लिए डिज़ाइन किया गया, वेव्स बाज़ार विक्रेताओं और खरीदारों दोनों को भौगोलिक सीमाओं के बिना सही साझेदार और अवसर खोजने में सक्षम बनाता है। विक्रेता - फ़िल्म स्टूडियो और एनीमेशन हाउस से लेकर पॉडकास्ट क्रिएटर और मार्केटिंग एजेंसियों तक - निवेशकों, वितरकों और सहयोगियों के वैश्विक दर्शकों के सामने अपनी सेवाएँ और सामग्री प्रदर्शित कर सकते हैं।

डिजिटल युग तक हिमाचल का उत्कर्ष....

सिकंदर बंसल

बचपन से ही यदि बच्चों में पर्यावरणीय संवेदनशीलता का विकास किया जाए, तो वे भविष्य में जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बन सकते हैं। पर्यावरण का पाठ पढ़ाना जरूरी है हिमाचल प्रदेश, जिसे श्रद्धा और आस्था से परिपूर्ण 'देवभूमि' कहा जाता है, ने 15 अप्रैल 1948 को एक नवजीवन का संकल्प लिया था। इसी दिन यह प्रदेश एक चीफकमिश्नर प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया। विगत सात दशकों से अधिक की इस विकास यात्रा में हिमाचल ने अनेक सामाजिक, भौगोलिक और राजनीतिक चुनौतियों को पार कर देश के प्रगतिशील राज्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करवाई है। आज, 2025 में, यह न केवल अपनी अनुपम प्राकृतिक छटा के लिए विख्यात है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, अवसंरचना और सतत विकास के क्षेत्रों में भी अग्रणी राज्य के रूप में उभर चुका है। 1948 में यह प्रदेश 30 से अधिक बिखरी हुई पहाड़ी रियासतों का समूह था। उस समय साक्षरता दर मात्र 8.6 फीसदी थी और स्वास्थ्य तथा यातायात सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं। किंतु परिवर्तन की यह प्रक्रिया सतत और उद्देश्यपूर्ण रही। 2021 की जनगणना के अनुसार हिमाचल की साक्षरता दर 83.7 फीसदी तक पहुंच चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। प्रदेश में वर्तमान में 17 विश्वविद्यालय, 130 कॉलेज तथा 12 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं, जो ज्ञान के क्षेत्र में राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी क्रांतिकारी परिवर्तन दृष्टिगोचर होते हैं। जहां 1948 में गिने-चुने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थे, वहीं आज प्रदेश में 60 से अधिक सरकारी अस्पताल, 500 से अधिक पीएचसी, मेडिकल कॉलेज और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान स्तर की संस्थाएं निर्माणाधीन हैं। शिशु मृत्यु दर में भी उल्लेखनीय गिरावट आई है। 1990 में यह 60 प्रति हजार थी, जो अब घटकर लगभग 19 रह गई है। सडक़ नेटवर्क की बात करें तो स्वतंत्रता के समय केवल 288 किलोमीटर लंबी सडक़ें थीं। आज यह आंकड़ा 39000 किलोमीटर को पार कर चुका है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना जैसे कार्यक्रमों ने दुर्गम क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोडऩे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमाचल प्रदेश की इस प्रगति यात्रा में विभिन्न मुख्यमंत्रियों का योगदान अद्वितीय रहा है। डा. यशवंत सिंह परमार को आधुनिक हिमाचल का शिल्पकार माना जाता है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने राज्य को स्थायित्व की राह दिखाई। स्व. वीरभद्र सिंह

के कार्यकाल में शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी ढांचे को बल मिला। प्रेम कुमार धूमल ने सूचना प्रौद्योगिकी और सडक़ निर्माण को गति दी। जयराम ठाकुर ने डिजिटल हिमाचल का स्वप्न साकार करने हेतु प्रयास किए, वहीं वर्तमान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार व्यवस्था परिवर्तन के तहत हरित ऊर्जा, ई-वाहन और युवाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दे रही है। राज्य की प्रगति में केंद्र सरकार की पंचवर्षीय योजनाओं, विशेष पर्वतीय सहायता कार्यक्रमों और तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरु और इंदिरा गांधी जैसे नेताओं के दूरदर्शी सहयोग का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। हाइड्रो पावर परियोजनाएं, पर्यटन विस्तार और औद्योगिकीकरण ने राज्य की अर्थव्यवस्था को नया बल प्रदान किया है। भौगोलिक दृष्टि से हिमाचल एक विविधतापूर्ण राज्य है, जिसकी ऊंचाई 350 मीटर से लेकर 6975 मीटर तक फैली हुई है। यहां 37000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैले वनों का अस्तित्व है, जो कुल क्षेत्रफल का लगभग 66 फीसदी है। सतलुज, ब्यास, रावी और यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां यहां प्रवाहित होती हैं, जिन पर राज्य की लगभग 90 फीसदी ग्रामीण जनसंख्या निर्भर है। हालांकि कुछ क्षेत्रों में अभी भी उन्नयन की आवश्यकता है। दुर्गम क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और जलवायु परिवर्तन के प्रति सतत एवं दीर्घकालिक रणनीतियां विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। पर्यटन क्षेत्र को पर्यावरण-संवेदनशील दृष्टिकोण से विकसित करना और जल, जंगल, जमीन के संतुलन को बनाए रखना आगामी समय की चुनौती है। वर्तमान सुक्खू सरकार को वित्तीय संकट और बेरोजगारी जैसे दोहरे दबाव का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की आय सीमित है जबकि खर्चों का दबाव लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार को सबसे पहले अपने खर्चों की प्राथमिकता तय करनी चाहिए और गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करनी चाहिए। इसके साथ ही, टैक्स संग्रह प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाकर राज्य की आमदनी बढ़ाई जा सकती है। रोजगार की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार को स्थानीय संसाधनों और कौशल पर आधारित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देना चाहिए। पर्यटन, बागवानी, कृषि आधारित उद्योग और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त कौशल विकास कार्यक्रमों को जमीनी स्तर तक ले जाकर युवाओं को नौकरी के लिए तैयार किया जाना जरूरी है। डिजिटल सेवाओं और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देकर भी नए रोजगार के अवसर उत्पन्न किए जा सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

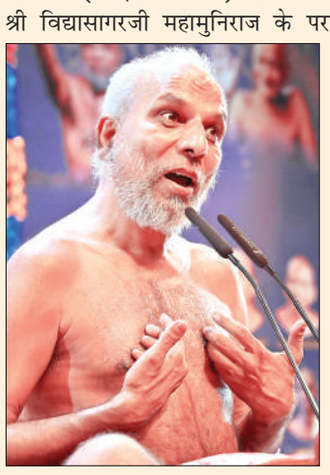

मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज ने कहा– मंदिर को ध्वस्त नहीं किया हमारी आस्था, परंपरा, तथा आत्मा पर आघात किया है

भोपाल (विश्व परिवार)। ऊपरोक्त उदगार संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागरजी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री

प्रमाणसागर महाराज ने अवधपुरी भोपाल में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि विलेपार्ले मुम्बई में तीस साल पुराना दिगंवर जैन मंदिर ध्वस्त कर दिया गया और वंहा की सरकार तमाशा देखती रही उन्होंने कहा कि कोर्ट का क्या आदेश है यह तो मेरी जानकारी में नहीं लेकिन सांयकाल आदेश हुआ और सुवह वी एम सी द्वारा अमल करते हुये 30 साल पुराना दिगंबर जैन मंदिर ध्वस्त कर दिया, यह कोई साधारण इमारत नहीं थी यह हमारी आस्था का केंद्र था, इस घटना से हमारी परंपरा और हमारी आत्मा पर आघात हुआ है ।उन्होंने कहा कि धर्म केवल एक रिवाज नहीं, बल्कि आत्म–संरक्षण का मार्ग है ।मुनि श्री ने समस्त जैन धर्मावलंबियों को एक जुट होंने का आशीर्वाद देते हुये कहा कि हम सभी को अपने जिनालयों, संस्कृति और श्रद्धा की रक्षा करने के लिये एक होकर संघर्ष करना होगा तभी हम संकट से बाहर निकल पाऐंगे, वी एम सी द्वारा जल्दवाजी में उठाया गया कदम है उन्होंने कहा कि नकारात्मकता का समाधान धर्म है– और जीवन की अस्थिरताओं में स्थिर रहने के लिए भी धर्म करना आवश्यक है। उपरोक्त जानकारी प्रवक्ता अविनाश जैन विद्यावाणी ने दी। **–अविनाश जैन**

2 ईनामी के साथ 22 नक्सली चढ़े पुलिस के हत्थे

बीजापुर–रायपुर (आरएनएस)। बीजापुर में जिला पुलिस और फोर्स को नक्सल मोर्चे पर अहम कामयाबी मिली है. 2 इनामी नक्सलियों के साथ 22 माओवादी अरेस्ट हुए हैं. सीआरपीएफ कोबरा, उसूर पुलिस और जांगला पुलिस ने इस कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई है. तीनों फोर्स की यह संयुक्त कार्रवाई है. थाना उसूर, नेलसनार और टेकमेटला में फोर्स ने यह एक्शन लिया है. जापुर में जिला पुलिस और फोर्स को नक्सल मोर्चे पर अहम कामयाबी मिली है. 2 इनामी नक्सलियों के साथ 22 माओवादी अरेस्ट हुए हैं. सीआरपीएफकोबरा, उसूर पुलिस और जांगला पुलिस ने इस कार्रवाई में अहम भूमिका निभाई है. तीनों फोर्स की यह संयुक्त कार्रवाई है. थाना उसूर, नेलसनार और टेकमेटला में फोर्स ने यह एक्शन लिया है. 15 अप्रैल को एक नक्सल अभियान को शुरू किया गया था. 16 अप्रैल को यह सफलता मिली है. कहां कहां से हुई नक्सलियों की गिरफ्तारी ?: टेकमेटला के जंगल से विस्फोटक के साथ 07 सक्रिय माओवादियों को पकड़ा गया. थाना जांगला के इलाके से 6 नक्सलियों को पकड़ा गया. नेलसनार से 9 माओवादियों को पकड़ा गया. टेकमेटला के जंगल से हुई नक्सलियों की गिरफ्तारी: टेकमेटला के जंगलों से जिन नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है.

गाँव अगर तकनीक से जुड़ेंगे तो भारत का भविष्य सशक्त बनेगा

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में तकनीकी शिक्षा और नवाचार को ग्रामीण स्तर तक पहुँचाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाया गया है। विश्वप्रसिद्ध एआई विशेषज्ञ, उद्यमी और शिक्षक समीर रंजन की अगुवाई में शुरू हुई पहल सीएस भारतीय एआई लैब्स और करियर सेंटर राज्य के गाँवों और छोटे शहरों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शिक्षा और

छत्तीसगढ़ में सीएस भारतीय एआई लैब्स और करियर सेंटर की दूरदर्शी पहल

अवसरों को सुलभ बना रही है। समीर रंजन, जो कॉग्निटिव स्प्रिंट्स, आईटी पूल और सीएस भारतीय एआई के संस्थापक हैं और कैटेनेट कॉर्प में ष्ट्ज्ञह के रूप में कार्यरत हैं, अमेरिका और वैश्विक मंच पर मायामाया और मेडिकोएड जैसे सफ्ल़द्ब प्लेटफॉर्म्स के निर्माण के बाद अब भारतीय ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाने के मिशन में जुटे हैं। पेटेंट और सर्किल द्वारा ';द्ब इन्फ्लुएंसर ऑफद ईयर' और ज्ञ डलास द्वारा 'एलुमनस ऑफद ईयर' जैसे सम्मान प्राप्त रंजन का मानना है कि अगर गाँव तकनीक से जुड़ेंगे, तो भारत का भविष्य अकल्पनीय रूप से उज्ज्वल बनेगा। सीएस भारतीय एआई लैब्स और करियर सेंटर की कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को क्रांति से जोड़ना है, जिससे वे पायथन, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, जनरेटिव एआई, जैसी वैश्विक तकनीकों से दक्ष होकर रोजगार और स्टार्टअप की दिशा में आगे बढ़ सकें। प्रत्येक लैब में इंटरनेट, कंप्यूटर, डिजिटल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, पुस्तकालय, प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन प्रणाली और आधुनिक टूल्स जैसे के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। यह पहल न केवल छात्रों को वैश्विक रोजगार के लिए तैयार करती है बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संचालित समाधानों के माध्यम से आम जनता के जीवन में प्रत्यक्ष सकारात्मक बदलाव भी ला रही है।

पंच कल्याणक से धार्मिक संस्कार प्राप्त होते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

दीक्षार्थी करेंगे कर पात्र में आहार और होगा गणधर वलय विधान, 20 को होगी दो दीक्षा

बही पार्श्वनाथ मंदसौर (विश्व परिवार)। वात्सल्य परिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज सानिध्य में बहीपार्श्वनाथ में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव चल रहा है ।20 अप्रैल को मोक्ष कल्याणक के दिन ब्रह्मचारी राजेश भैया मेड़ता तथा ब्रह्मचारी सुरेश शाह जयपुर की जेनेश्वरी दीक्षा होगी ।19 अप्रैल को दोनों दीक्षार्थी कर पात्र में आहार लेंगे तथा दोपहर को उनके द्वारा गणधर वलय विधान की पूजन की जावेगी शाम को शोभा यात्रा निकाल करउनकी गोद भरने का कार्यक्रम होगा। प्रवचन में आचार्य श्री ने बताया कि संसारी प्राणी विषय भोगों में आसक्त हैं ।बालक को माता संस्कारित करती है, किंतु तीर्थंकर भगवान पूर्व जन्मों से संस्कारित होते हैं उन्होंने पूर्व के अनेक भवों में दीक्षा संयम धारण कर अपनी आत्मा को संस्कारित किया। जिनवाणी ही शरण है, जिनवाणी से ही संस्कार प्राप्त होते हैं। यह धर्म देशना बही पार्श्वनाथ पंच कल्याणक के तीसरे दीक्षा तप कल्याणक के अवसर पर पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रगट की राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे उपदेश में बताया कि पंच कल्याणक महामहोत्सव आमोद प्रमोद का स्थान नहीं होकर संस्कार प्राप्त करने का माध्यम है इससे आपको धार्मिक क्रियायो से सीख लेना चाहिए हमारी जन्म देने वाली माता ने भी पंच कल्याणक कार्यक्रम में शामिल होकर वहां से जिनवाणी प्राप्त की उस जिनवाणी का उन्होंने स्वाध्याय किया और हमने भी माता से संस्कार प्राप्त कर जिनवाणी का स्वाध्याय कर आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं ।मनुष्य जीवन अनमोल है दुर्लभता से मिलता है इसलिए जिनवाणी से संस्कार प्राप्त कर जीवन को संयम दीक्षा से संस्कारित करना जरूरी है, नहीं तो मनुष्य जीवन व्यर्थ है। 24 तीर्थंकरों में केवल पांच तीर्थंकर ही बाल ब्रह्मचारी रहे बाकी तीर्थंकरों ने भी संसार बसाया किंतु उन्होंने संसार को असार समझ कर दीक्षा धारण की। आचार्य श्री शिव सागर जी हमेशा व्यक्ति को घर से आड़े होकर निकलने के बदले खड़े खड़े अर्थात दीक्षा धारण करने की प्रेरणा देते थे। संसारी प्राणी को अरिहंत, सिद्ध, आचार्य उपाध्याय साधु की शरण लेना चाहिए। आज संयम के दिन दीक्षा देखकर संयम धारण कर आत्मा को मोक्ष मार्ग पर लगाने का पुरुषार्थ करना चाहिए। धार्मिक कार्यक्रमों में समय पर शामिल होना चाहिए। अरिहंत भगवान भी क्रम से गर्भ, जन्म, के बाद दीक्षा संयम धारण कर विभिन्न ध्यान को धारण कर 14 गुण स्थान तक संपूर्ण कर्मो को आत्मा से पृथक कर सिद्धालय विराजित होते हैं।

प्रवचन के पूर्वश्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव के तीसरे दिन को तप कल्याणक महोत्सव का आयोजन किया गया।, प्रात: श्रीजिनाभिषेक व नित्यार्जन, बाल क्रीडा और प्रवचन सभा हुई। दोपहर में युवराज आदिकुमार का राज्याभिषेक, राजाओं द्वारा भेंट, राज्य संचालन हेतु षट् कर्म उपदेश, निलांजना नृत्य, वैराग्य दर्शन, भरत बाहुबली का राजतिलक, तीर्थंकर महाराजा गृह त्याग, दीक्षाविधि संस्कार, प्रवचन, तपकल्याणक पूजा हुई। शाम को आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए

–राजेश पंचोलिया

जिन शासन नायक वर्धमान महावीर की भक्ति में श्री वर्धमान स्तोत्र अनुष्ठान का किया संगीतमय पाठ

जयपुर (विश्व परिवार)। टौक रोड स्थित तारों की कूट पर सूर्य नगर कालोनी में जैन बन्धुओं के घरों में चल रहे %घर घर मंगलाचार% धार्मिक आयोजन की कड़ी में ऋषभ मार्ग स्थित कोटखावदा हाऊस में राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद – दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में जिन शासन नायक वर्धमान महावीर की भक्ति में श्री वर्धमान स्तोत्र का 64 ऋद्धि मंत्रों के साथ संगीतमय पाठ का आयोजन किया गया। इस मौके पर बडी संख्या में जैन धर्मावलंबी शामिल हुए।

रात्रि 8.00 बजे से आयोजित इस आयोजन में आने वाले सभी श्रद्धालुओं का कोटखावदा परिवार की ओर से सभी के मस्तक पर केसर का तिलक लगाकर भव्य अगवानी की गई।

कार्यक्रम का भगवान महावीर के चित्र के समक्ष मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, विनोद– दीपिका जैन कोटखावदा, सुनिता हल्दैनिया, दिव्या बाकलीवाल, देवांश बाकलीवाल ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

गायक सुशील झांझरी एवं शिखर चन्द जैन एवं टीम ने संगीतमय प्रस्तुति दी। मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित श्री वर्धमान स्तोत्र का पाठ के अन्तर्गत 64 श्लोकों के माध्यम से भगवान महावीर की स्तुति की गई। विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि सभी प्रकार के रोग, शोक, वियोग, जन्म, सौभाग्य के क्षणों में श्री वर्धमान स्तोत्र अनुष्ठान का सामूहिक आयोजन परिवार के लिए मंगलकारी होता है। श्री जैन ने बताया कि वर्धमान जिनदेव युगलपद से शुरु हुए इस स्तोत्र अनुष्ठान का हर क्षण बढ़ते ज्ञान सुखों का, पाओ तुम प्रणम्य शिव फल।। के बाद ? अर्हं ? अर्हं ? अर्हं बोल के साथ समापन किया गया।

–विनोद जैन कोटखावदा

सीजीएमएससी स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ करने का एक बड़ा माध्यम : स्वास्थ्य मंत्री

सीजीएमएससी के अध्यक्ष दीपक म्हस्के के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और स्वास्थ्य मंत्री

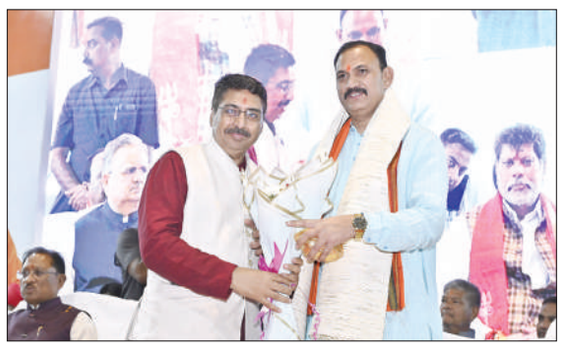

रायपुर (विश्व परिवार)। सीजीएमएससी स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ करने का एक बड़ा माध्यम है और सीजीएमएससी की पूरी व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। ये कहना है स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का। श्री जायसवाल आज रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में सीजीएमएससी के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के के पदभार ग्रहण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समेत विधायकगण भी उपस्थित थे।

इस मौके पर श्री जायसवाल ने कहा कि सीजीएमएससी की गति में कुछ समय पहले रुकावट डाली गई थी, लेकिन अब ये फिर से रफ्तार पकड़ रही है। जिन लोगों ने यहां के काम में बाधा डाली थी उनके खिलाफ जांच चल रही है। हमारी सरकार का उद्देश्य यही है कि अंतिम पंक्ति तक के व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके और सीजीएमएससी के नए अध्यक्ष के नेतृत्व में यह संस्था एक नए रूप में नजर आएगी।

इस मौके पर सीजीएमएससी के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री दीपक म्हस्के ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल का आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ा पल है। भ्रष्टाचार के खिलाफ उनकी नीति ज़ीरो टॉलरेंस की होगी।

प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर की पत्रिका एवं बैनर का भव्य विमोचन सम्पन्न

सागर (विश्व परिवार)। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्राकृत भाषा को शास्त्रीय भाषा का गौरवपूर्ण दर्जा प्रदान किए जाने के उपलक्ष्य में, समस्त भारतवर्ष में एक अभिनव पहल के रूप में प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 1 मई 2025 से 30 मई 2025 तक देशभर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आयोजित किये जाएंगे। इस राष्ट्रव्यापी शिक्षण शिविर का आयोजन अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन शास्त्री परिषद, एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। शिविर के माध्यम से भारत की प्राचीनतम एवं गौरवशाली प्राकृत भाषा का गहन अध्ययन एवं प्रचार–प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा।

शिविर के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आशीष जैन आचार्य शाहगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर की सभी तैयारियाँ पूर्ण हो चुकी हैं, और प्रचार–प्रसार का कार्य भी विभिन्न प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से सक्रिय रूप से किया जा रहा है।

इसी क्रम में सागर नगर के गौरव, माननीय विधायक श्री शैलेन्द्र जैन जी द्वारा प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर की आधिकारिक पत्रिका एवं बैनर (पोस्टर) का विधिवत विमोचन किया गया। इस अवसर पर शिविर टीम के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. आशीष जैन आचार्य, सागर क्षेत्रीय संयोजक पं. अनिल जैन सागर ,शिविर समन्वयक, डॉ. हरिश्चंद्र जैन, प्रतिष्ठाचार्य पं. पवन दीवान ,पं. राजेश जैन सागर, सुनील सुधाकर द्रोणगिरि, सहित कई गणमान्य विद्वान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विमोचन अवसर पर माननीय विधायक महोदय को प्राकृत भाषा में प्रकाशित आधिकारिक पत्र पाइय वाणी एवं प्राकृत भाषा विकास फाउंडेशन का विधान पत्र भी भेंट किया गया। उन्होंने इस सराहनीय कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा की और शिविर संरक्षक के रूप में अपनी स्वीकृति भी प्रदान की।

शिविर को सफल बनाने हेतु देश के अनेक प्रतिष्ठित जैन संतों का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ है, जिनमें प्रमुख रूप से परम पूज्य आचार्य विद्यासागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती आचार्य समय सागर जी महाराज, प्राकृताचार्य सुनील सागर जी महाराज, चर्याशिरोमणि विशुद्ध सागर जी महाराज, आचार्य वसु नंदी जी महाराज, भाग्योदय तीर्थ में विराजमान निर्यापक संत योग सागर जी महाराज, सहित कई संतों की शुभकामनाएं एवं मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ है ।इसके अतिरिक्त शिविर के संरक्षक हेतु देशभर से अनेक प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति भी आगे आए हैं। इनमें संतोष घड़ी (सागर), कपिल मालैया (सागर), डॉ. सुधा मलैया (दमोह) सहित अन्य अनेक राष्ट्रीय स्तर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता व संरक्षकत्व प्रदान किया है ।इस शिविर में प्राकृत भाषा से संबंधित उच्च कोटि के पाठ्यक्रमों का अध्ययन एवं शिक्षण कराया जाएगा, जो वरिष्ठ प्राकृत विद्वानों द्वारा संपादित किया गया है। साथ ही संपूर्ण शिविर की दिनचर्या एवं पाठ्यक्रम का भी सुनियोजित रूप से निर्धारण कर लिया गया है, जिससे प्रतिभागियों को एक श्रेष्ठ एवं प्रभावी ज्ञानवर्धक शिक्षण अनुभव प्राप्त हो सके ।यह प्राकृत विद्या शिक्षण शिविर न केवल प्राचीन भाषा के पुनरुत्थान का माध्यम बनेगा, बल्कि युवाओं में भाषा के प्रति रुचि एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को भी जाग्रत करेगा।

–आशिष शास्त्री, नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

नीलू शर्मा को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष के रुप में कार्यभार ग्रहण करने पर अमर पारवानी ने दी बधाई

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि आज कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री अमर पारवानी के नेतृत्व में कैट का एक प्रतिनिधी मंडल ने श्री नीलू शर्मा जी को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष के रुप में कार्यभार ग्रहण करने पर श्री अमर पारवानी जी ने उनसे मुलाकात करने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कन्फ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री जितेन्द्र दोशी ने बताया कि कैट टीम ने श्री नीलू शर्मा जी को छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अध्यक्ष के रुप में कार्यभार ग्रहण करने पर उनसे मुलाकात करने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होनें ने कहा कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ को देश के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने के लिए पर्यटन, वन और जल संसाधन विभाग एकीकृत कार्ययोजना बनाकर कार्य चाहिए।

कैथोलिक चर्च लवन में पुण्य शुक्रवार अर्थात गुड फ्राइडे पर रैली निकाली

लवन (विश्व परिवार)। 18 अप्रैल 2025 को दोपहर 2:30 बजे ईसाई धर्म के अनुयायियों ने शुक्रवार को गुड फ्राइडे बलिदान दिवस के रूप में मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित रहे। कहा जाता है कि ईसा मसीह ने समस्त मानव जाति को यह संदेश दिया कि समाज के कल्याण के लिए अपना जीवन भी कुर्बान करना पड़े तो कर दो। ईसा मसीह ने हंसते–हंसते मौत को लगे लगाकर साहस का परिचय दिया।

माना जाता है कि जब यहूदी शासकों ने ईसा मसीह को तमाम शारीरिक और मानसिक यातनाएं देने के बाद सूली पर चढ़ाया था तो उस दिन शुक्रवार था। यही वजह है कि ईसा मसीह के मृत्यु दिवस को गुड फ्राइडे कहा जाता है। इस घटना के तीन दिन बाद रविवार को ईशु मसीह पुनर्जीवित हुए, जिसे ईस्टर संडे के रूप में मनाते हैं। गुड फ्राइडे को ईसाई धर्म कुर्बानी दिवस के रूप में मनाते हैं। गुड फ्राइडे के दिन चर्च में न तो घंटियां बजाई जाती हैं और न ही मोमबत्ती जलाई जाती हैं, शोक सभाएं आयोजित करते हैं ।ईस्टर पर्व से पहले होने वाले चालीस दिवसीय उपवास का समापन शुक्रवार को गुड फ्राइडे से हुआ। गुड फ्राइडे पर्व शुक्रवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। मसीही समाज ने गुड फ्राइडे पर चर्च में आराधना की और प्रभु यीशु का संदेश सुना। चर्च में वक्ताओं ने क्रूस पर प्रभु यीशु के वचनों पर महत्व बताया। उन्होंने कहा, जब प्रभु यीशु को क्रूस पर लटकाया जा रहा था तो उन्होंने शांति–अहिंसा और करुणा का संदेश दिया था।

उन्होंने कहा था, हे परमपिता परमेश्वर, इन्हें माफ करना। इनको नहीं पता कि क्या कर रहे हैं। प्रभु यीशु के मन में किसी के प्रति क्रोध नहीं था बल्कि वह सबके लिए परमेश्वर से माफी ही मांग रहे थे। चर्च में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। चर्च में गुड फ्राइडे के मौके पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रभु यीशु की आराधना के गीत गाए गए, इस मौके पर बड़ी संख्या में मसीही के अनुयायियों चर्च में प्रार्थना सभा में शामिल हुए। **–ताराचंद कठोत्रे**

दिव्यांग बच्चियों के तैयार हो रहा सर्व सुविधायुक्त आशियाना

समता कॉलोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल के दिव्यांग बालिका विकास गृह का तेजी से जारी है नवनिर्माण

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराष्ट्र मंडल की ओर से संचालित दिव्यांग बालिका विकास गृह में रहने वाली बच्चियों के लिए सर्वसुविधायुक्त नवीन आशियाना तैयार किया जा रहा है। इसमें सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सामाजिक सहायता योजना के तहत भवन का नवनिर्माण किया जा रहा है। नवनिर्माण के माध्यम से मंडल अपने आजीवन सभासदों सहित शहर के दानदाताओं व उनके बच्चों में बचपन से त्याग, दान की भावना, प्राप्त आय से अल्प राशि कल्याणकारी कार्यो में व्यय करने की प्रवृत्ति, समाज के लिए जागृत व समर्पित करने की सोच को जागृत करने का प्रयास भी कर रहा है।

दिव्यांग बालिका विकास गृह प्रभारी प्रसन्न निमोणकर ने बताया कि मंडल के दिव्यांग बालिका विकास गृह का भवन काफी जर्जर हो गया था। इसमें रहने वाली बच्चियों को थोड़ी परेशानी शुरू हो गई थी। इसे देखते हुए सामाजिक सहायता योजना के तहत भवन का जीर्णोद्धार व पुनर्निर्माण किया जा रहा है। सभी वर्ग के लोग इस योजना में जुड़कर सामाजिक कार्यों में बढ़–चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। महाराष्ट्र मंडल ने इसके लिए अपने सदस्यों व दानदाताओं से 250/प्रतिमाह या एकमुश्त 2500/– समर्पण राशि देने की अपील की है। मंडल अध्यक्ष अजय मधुकर काले ने बताते हैं कि दानदाता अपने नाम अथवा अपने प्रियजन की स्मृति में क्षमतानुसार समर्पण राशि दे सकते हैं। दान राशि पर आयकर अधिनियम की 80जी के अंतर्गत छूट का प्रावधान है। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह जन सहयोग से चौबे कॉलोनी में महाराष्ट्र मंडल का नया भव्य भवन निर्मित हो पाया है, उसी तरह दिव्यांग बालिका विकास गृह के भवन जीर्णोद्धार व निर्माण के लिए भी राजधानीवासियों का हमें भरपूर सहयोग मिलेगा।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025

संक्षिप्त समाचार

बस्तर के लोगों हेतु रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित करने उद्योग-धंधों को मिलेगी सहायता

जगदलपुर(विश्व परिवार)। बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने हेतु नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के सफल क्रियान्वयन एवं यूजर्स की जागरूकता की दिशा में कलस्टर स्तरीय यूजर फीडबैक एंड सेनेटाइजेशन के लिए गुरुवार को कलेक्टोरेट जगदलपुर में आयोजित संभागीय स्तरीय कार्यशाला में विकसित बस्तर के लिए उद्योगों की भूमिका को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान वक्ताओं ने नई औद्योगिक नीति के तहत बस्तर संभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ खनिज आधारित, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और पर्यटन उद्योगों की असीमित संभावनाओं को साकार करने हेतु सकारात्मक पहल करने पर जोर देते हुए इस दिशा में राज्य शासन के सार्थक प्रयासों को सराहनीय निरूपित किया। इस अवसर पर बस्तर चैंबर आफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष श्याम सोमानी ने कहा कि विकसित बस्तर की परिकल्पना को साकार करने हेतु उद्योग-धंधों का समग्र विकास जरूरी है। वर्तमान में बस्तर में उद्योगों के लिए आर्थिक सहायता सहित भूमि बैंक, रेल, हवाई सेवा और सड़कों की बेहतर कनेक्टीविटी को प्राथमिकता देना आवश्यक है। साथ कि उद्योगो के लिए पानी की समुचित उपलब्धता के लिए कार्ययोजना बनाए जाना चाहिए। उन्होंने राज्य शासन द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों को सराहनीय निरूपित करते हुए आगामी दिनों में प्रस्तावित इन्वेस्टर्स मीट के लिए स्थानीय उद्यमियों को शामिल करने सहित उद्यमियों के साथ हर तीन महिने में बैठक किए जाने का सुझाव दिया। कार्यशाला में उघु उद्योग भारती जगदलपुर के लिए अध्यक्ष राजेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि बस्तर में लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के विकास की अपार संभावना हैं। स्थानीय स्तर पर कृषि एवं वनोत्पाद भी प्रचुर है जिससे मूल्य प्रसंस्करण के दिशा में भी व्यापक पहल किया जा सकता है। उन्होंने बस्तर के लोगों के आर्थिक विकास के लिए उक्त सेक्टरों पर आधारित लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। कार्यशाला के आरंभ में संयुक्त संचालक उद्योग शिव राठौर ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। बस्तर की ताकत इस्पात और पर्यटन है, साथ ही कृषि-वनोत्पाद और कौशल की अहम भूमिका भी है, इसे देखते हुए शासन उक्त दोनों सेक्टरों पर ज्यादा ध्यान दे रही है। उन्होंने उपस्थित उद्यमियों और अधिकारियों से विकसित बस्तर के लिए उद्योगों के विकास को बढ़ावा देने हेतु अमूल्य सुझाव देने का आग्रह किया। कार्यशाला में मुख्य महाप्रबंधक अजित बिलुंग ने बताया कि औद्योगिक विकास नीति में विकसित बस्तर की ओर का रोडमैप तैयार करने के लिए भूमि बैंक प्रबंधन को मजबूत करना और व्यापार को आसान बनाना समाहित है। स्थानीय उद्योगों (वस्त्र, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प) के लिए प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना, विशेष रूप से जनजातीय युवाओं और महिला उद्यमिता पर फोकस किया जा रहा है। इस्पात, धातु प्रसंस्करण, कृषि, वनोपज आधारित उद्योग और हर्बल-औषधीय उत्पादों के लिए क्लस्टर की स्थापना की जा रही है। ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में सभी मौसमों के लिए उपयुक्त सड़कों का निर्माण और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ एकीकरण का काम हो रहा है। स्टार्टअप्स के लिए समर्थन हेतु नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष योजनाएं संचालित की जा रही है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत एक सप्ताह के भीतर हुआ शम्भूनाथ कश्यप के आवेदन का निराकरण

राशनकार्ड में परिवार के दो सदस्यों का नाम जोड़ने पर सरकार को दिया धन्यवाद

जगदलपुर (विश्व परिवार)। / राज्य शासन के सुशासन तिहार से आम जनता की समस्या-शिकायतों का त्वरित निवारण से जनसाधारण को बड़ा सम्बल मिल रहा है। जिससे उनकी दिक्कतें कम होने के साथ ही सेवाएं भी सहजता से मिल रही है। बस्तर जिले के लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक अंतर्गत धुरागांव निवासी शम्भूनाथ कश्यप के परिवार में पहले केवल दो सदस्य माता समली कश्यप और वह स्वयं ही थे लेकिन तीन वर्ष पहले विवाह होने के बाद पत्नी महादई कश्यप और दो साल का बेटा प्रभात भी अब परिवार में सदस्य हैं। इन दोनों का नाम उन्हें प्रदत्त प्राथमिकता राशनकार्ड में शामिल नहीं था। इसे देखते हुए शम्भूनाथ ने राशनकार्ड में अपनी पत्नी और बेटे का नाम जुड़वाने के लिए सुशासन तिहार के अंतर्गत 11 अप्रैल को आवेदन ग्राम पंचायत में जमा किया था, उक्त आवेदन पर एक सप्ताह के भीतर ही कार्यवाही कर राशनकार्ड में नाम जोड़कर उसे नया राशनकार्ड प्रदान कर दिया गया। जिससे शम्भूनाथ काफी खुश है और सरकार को धन्यवाद देते हुए इसे संवेदनशील पहल निरूपित किया।

शम्भूनाथ कश्यप बताते हैं कि करीब डेढ़ एकड़ खेती जमीन पर खेती सहित मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण कर रहे हैं। निर्धन परिवार होने के चलते उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना से भी लाभान्वित किया गया है। वहीं माताजी समली को वृद्धावस्था पेंशन योजना से पेंशन मिल रही है। साथ ही पत्नी महादई कश्यप को महतारी वंदन योजनांतर्गत हर महीने एक हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान किया जा रहा है। जिससे परिवार के भरण-पोषण में काफी मदद मिल रही है। शम्भूनाथ इन जनकल्याणकारी योजनाओं से सहायता प्राप्त होने से सरकार के जनहितैषी नीतियों की प्रशंसा करते हुए राज्य सरकार को साधुवाद देते हैं।

तीन चरणों में हो रहा सुशासन तिहार-2025 का आयोजन - ज्ञातव्य है कि राज्य शासन द्वारा सुशासन तिहार-2025 का आयोजन तीन चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में 08 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक आम जनता से आवेदन प्राप्त किए गए हैं। दूसरे चरण में लगभग एक माह के भीतर प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। तीसरे एवं अंतिम चरण में 05 मई से 31 मई 2025 के बीच समाधान शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

50 करोड़ की बनी कार्य योजना,वाटर हार्वेस्टिंग जरूरी नहीं तो होगा 50 हजार का जुर्माना--संजय पाण्डे

जगदलपुर(विश्व परिवार)। नगर निगम की मेयर इन काउंसिल की पहली बैठक बुधवार को नगर निगम के एमआईसी कक्ष मे हुई। जिसमें 50 करोड़ की कार्य योजना बनाई गई। बजट 2025 -26 का अवलोकन एवं अनुमोदन भी किया गया। जिसमें नेहरू परिसर एवं झीरम शहीद मेमोरियल स्मारक का जीर्णोद्धार होगा। सड़क,पानी,नाली और बिजली जैसे बुनियादी मुद्दों के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर को लेकर 57 प्रस्तावों पर चर्चा की गई। निगम के नए कार्यकाल की पहली एमआईसी बैठक में डॉ बी आर अंबेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण, बोधघाट थाना से कमिश्नर ऑफिस तक एवं एमपीएम हॉस्पिटल से एलआईसी रोड तक बीटी रोड चौड़ीकारण कार्य, नगर पालिक निगम जगदलपुर में विभिन्न जगहों पर पुलिया निर्माण, दलपत सागर का विकास एवं सौंदर्य करण,मुक्तिधाम से पावर हाउस चौक होते हुए लालबाग आमागुड़ा चौक तक चौड़ीकरण कार्य विभिन्न जगहों पर शेड निर्माण, सामुदायिक भवन, देवगुड़ी निर्माण,मातागुड़ी में शेड निर्माण कार्य, पेवर ब्लॉक कार्य, फेंसिंग बाउंड्रीवॉल कार्य, स्मार्ट क्लास रूम का अनुमोदन किया गया।एमआईसी बैठक में वीर सावरकर भवन, शटाउन हॉल,सोलर हाई मास्क लाइट,सोलर स्ट्रीट लाइट एवं आवासीय भू खंड व्यवसायिक भूखंड में वृक्षारोपण करने संबंधी निर्णय लिया गया। इस बैठक में भवन अनुज्ञा लेते समय रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनना तय हुआ नहीं बनने पर 50 हजार का जुर्माना तय किया गया। विभिन्न जगहों पर लगे टुल्लू पंप की जप्ती करने निर्देश दिया गया। शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का संचालन करने हेतु 5 रूपये में भरपेट भोजन करवाने की व्यवस्था की गई। शासकीय टेरिस एवं एलईडी हेतु पूर्व में निर्धारित दर राशि को 10ब बढ़ाई गई। महापौर संजय पाण्डे ने कहा प्रथम एमआईसी बैठक में 57 प्रस्ताव पारित किए गए। बैठक में शहर की पानी की आपूर्ति को दरुस्त करने के हेतु जरूरी कदम उठाने तथा सड़क पानी और सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री व नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप एवं विधायक किरण सिंह देव का जिनके अथक प्रयास से नगर निगम जगदलपुर को 50 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की। महापौर पांडे जी ने कहा इस शहर को व्यवस्थित करने पर्यावरण एवं रेनवाटर हार्वेस्टिंग के संबंध में एवं पानी बचाने कुछ कड़े निर्णय लिए गए हैं परंतु इन नियमों के लागू होने से शहर विकसित स्वस्थ सुंदर एवं स्वच्छ होगा निगम के इतिहास में किसी भी एमआईसी बैठक में 50 करोड़ की राशि की स्वीकृति कभी नहीं हुई है।

योजनाओं के क्रियान्वयन सहित लोक सेवाओं की उपलब्धता पर ध्यान दें : कमिश्नर

जगदलपुर(विश्व परिवार)। कमिश्नर डोमन सिंह ने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का धरातल पर कारगर क्रियान्वयन कर अंतिम व्यक्ति को लाभान्वित करने के लिए सभी विभाग सकारात्मक प्रयास करें। साथ ही लोक सेवाओं की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रीत करें। इस दिशा में मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति के साथ विभागीय कार्यों को बेहतर ढंग से सम्पादित किया जाए। ग्रीष्मकालीन पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त कर गर्मी के दिनों में पेयजल की पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें। वहीं दूरस्थ ईलाके के आंगनबाड़ी केंद्रों पर समेकित बाल विकास सेवाओं की उपलब्धता के लिए रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं के पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करें। उक्त निर्देश कमिश्नर ने गुरुवार को कमिश्नर कार्यालय में संभागीय अधिकारियों की मासिक समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने वनाधिकार पट्टों के नामांतरण-बंटवारा प्रकरणों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने कहा और उक्त कार्य को सुनिश्चित करने के लिए राजस्व एवं वन विभाग के मैदानी अधिकारी-कर्मचारियों की कार्यशाला आयोजित कर उन्हें पूरी जानकारी प्रदान किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वनाधिकार पट्टों के रिकॉर्ड को अभिलेख कक्ष में सुरक्षित रखने सम्बन्धी कार्य में शीघ्र अद्यतन प्रगति लाने के निर्देश भी दिए। कमिश्नर ने कहा कि ग्रीष्मकाल आरंभ होने के साथ ही पेयजल की दिक्कत के मद्देनजर जल प्रदाय योजनाओं, सोलर ड्यूल पम्पों एवं हैंडपंपों का समुचित संधारण एवं संचालन सुनिश्चित किया जाए। सुधार योग्य जल प्रदाय योजनाओं तथा हैंडपंपों को अभियान चलाया जाकर अनिवार्य रूप से मरम्मत करवाया जाए। साथ ही चिन्हित समस्याग्रस्त इलाकों में ध्यान केंद्रित कर नवीन नलकूप खनन कर हैंडपंप स्थापना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संभाग के अंतर्गत हर घर जल प्रमाणीकरण कार्य में अद्यतन प्रगति लाने पर बल देते हुए जल जीवन मिशन के कार्यों को तेजी के साथ संचालित किए जाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने संभाग के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी सहायिका के पदों पर जल्द नियुक्ति किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय योजनाओं को सेचुरेशन की स्थिति में लाने पर जोर देते हुए कहा कि चयनित योजनाओं के अंतर्गत पात्र सभी लोगों को लाभान्वित किए जाने पर ध्यान केन्द्रित करें।

जंगल में जवानों ने बरामद किया 5 किलो का कुकर आईईडी

नारायणपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में सुरक्षाबलों ने एक बार फिर नक्सलियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। सर्चिंग अभियान के दौरान गट्टाकाल के जंगल में सुरक्षाबलों को 5 किलो वजनी कुकर प्रेसर आईईडी बरामद हुआ है, जिसे माओवादियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए प्लांट किया था। पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विस्फोटक रोधी सर्च अभियान के तहत बीडीएस (बम डिस्पोजल स्क्वाड) टीमों को विभिन्न संवेदनशील इलाकों में रवाना किया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को थाना कोहकामेटा अंतर्गत मोहंदी कैम्प से जिला पुलिस बल, 53वीं वाहिनी आईटीबीपी और बीडीएस की संयुक्त टीम सर्चिंग पर रवाना हुई थी। ग्राम गट्टाकाल के जंगलों में एरिया डॉमिनेशन के दौरान टीम को एक पहाड़ी रास्ते पर संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। जांच करने पर पता चला कि वह एक प्रेशर कुकर में छिपाया गया 5 किलो का आईईडी है। सुरक्षाबलों की सतर्कता और सूझबूझ से इस बम को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से डिफ्यूज कर दिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

करीगुण्डम मे प्रशासनिक पहल से शांति व्यवस्था बहाल

ग्रामीणों को आपकी प्रेम और भाईचारा से रहने दी गई समझाईश

सुकमा(विश्व परिवार)। थाना किष्टाराम के ग्राम पंचायत करीगुण्डम मे विगत दिनों धर्मान्तरण के विषय पर हुयी ग्रामीणों के बैठक के उपरांत कुछ परिवार के सामानो सहित ग्राम छोड़ने की सुचना प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और एसपी श्री किरण चव्हाण के मार्गदर्शन में प्रशासनिक अमला तत्काल गांव पहुंचा। प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम तहसीलदार कोंटा श्री गिरीश निम्बलकर, एसडीओपी मराइगुडा श्री शिखर मरावी, थाना प्रभारी किष्टाराम

श्री सुरेंद्र पामभोई के साथ करीगुण्डम पहुँचे। गांव में पंच, सरपंच व जनप्रतिनिधियों के साथ सभी पक्ष व सामाजिक जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में थाना किष्टाराम में बैठक आयोजित की गई। इसके पश्चात ग्राम सबकी आपसी सहमति से विवाद का निराकरण किया गया। थाने मे आयोजित बैठक मे दोनों ही पक्षों के विषयो को सुनने के उपरांत बैठक मे सर्वसम्मति से ग्राम में शांति व सौहार्द स्थापना व साथ में मिलजुल कर रहने व सामाजिक परंपराओं का सम्मान करने हेतु सहमति बनी। मीटिंग के उपरांत तहसीलदार श्री गिरीश निम्बालकर व एसडीओपी श्री शिखर मरावी पुलिस टीम व जनप्रतिनिधियों के साथ ग्राम करीगुंडम गये तथा जो परिवार अपना सामान लेकर ग्राम से बाहर जा रहे थे उन्हें भी ग्राम में ही मिलजुल कर रहने, किसी प्रकार का भी परस्पर विवाद ना करने को लेकर सभी पक्षों में आपस में समझौता कराया गया तथा ग्राम मे शांति व क़ानून व्यवस्था के यथोचित पालन हेतु तहसीलदार कोंटा की उपस्थिति मे दोनों ही पक्षो के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गयी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया कांग्रेस भवन का घेराव, सोनिया गाँधी राहुल गाँधी का फूंका पुतला

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजयुमो का आक्रामक विरोध प्रदर्शन

पुलिस के बेरिकेट्स तोड़ कर कांग्रेस भवन के सामने एक घंटे डटे रहे, जोरदार नारेबाजी कर जताया विरोध

भाजपा कार्यकर्ताओं व पुलिस जवानों के बीच चलती रही धक्का मुक्की

नेशनल हेराल्ड मामले में गाँधी परिवार द्वारा किये गये करोड़ों के भ्रष्टाचार का पुरज़ोर विरोध कर रही भाजपा - वेदप्रकाश पाण्डेय

देश को लूटने वाले को बख्शा नहीं जायेगा, देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार है - अविनाश श्रीवास्तव

जगदलपुर (विश्व परिवार)। नेशनल हेराल्ड में करोड़ों के भष्ट्राचार के मामले को लेकर कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक रूख अख्तियार करते हुये भारतीय जनता पार्टी ने आज शुक्रवार को कांग्रेस भवन का घेराव किया और विरोध प्रदर्शन करते हुये कांग्रेस भवन के समक्ष कांग्रेस नेत्री सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी का पुतला दहन किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस द्वारा बनाये गये बेरिकेट्स को तोड़ कर कांग्रेस भवन के समक्ष पहुँच कर लगभग एक घंटे तक जोरदार नारेबाजी करते हुये विरोध प्रदर्शन करते हुये कांग्रेस भवन का घेराव कर डटे रहे। वहाँ भारी संख्या में तैनात पुलिस बल जवानों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं की धक्कामुक्की लगातार होती रही।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के आह्वान पर भाजपा जिला कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ता भारी संख्या में एकत्र हुये। जहाँ से अपरान्ह 3 बजे भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय व भाजयुमो जिला अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में भारी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता बैनर, पोस्टर, झण्डे के साथ कांग्रेस भवन का घेराव करने निकले। गुरु गोविंद सिंह चौराहे से गीदम रोड होकर कांग्रेस भवन की ओर कूच कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने महेन्द्र कर्मा बंगले के पास बैरिकेटिंग लगा कर रोकने का प्रयास किया। नारेबाजी करते हुये भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेरिकेट्स को तोड़कर कांग्रेस भवन के ठीक सामने पहुँच गये, जहाँ भारी संख्या में तैनात पुलिस जवानों ने भाजपा कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने रोका। कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी करते हुये भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस भवन के सामने ही सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी का पुतला फूंका और करीब एक घंटे तक कांग्रेस भवन का घेराव करने डटे रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेत्री सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी ने करोड़ों का भ्रष्टाचार किया है। गाँधी परिवार द्वारा जमीन हड़पने और करोड़ों का भ्रष्टाचार करने का मामला है। जिसका भारतीय जनता पार्टी विरोध कर रही है। यह प्रदर्शन देश को धोखा देने वाली कांग्रेस व उनके भ्रष्टाचारी नेताओं के खिलाफ किया गया है।

भाजयुमो जिला अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले करोड़ों का भ्रष्टाचार करने वाले कांग्रेस के आला नेताओं सोनिया गाँधी व राहुल गाँधी सहित गाँधी परिवार से न्यायिक जांच में पूछताछ हो रही है तो उससे बचने के लिये योजना बद्ध रुप से पूरे देश में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से झूठा राजनीतिक विरोध प्रदर्शन कराया जा रहा है। देश का कानून अपना काम कर रहा है, देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार है, एक भी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जायेगा।

आज भाजपा के कांग्रेस भवन घेराव के दौरान प्रमुख रूप से महापौर संजय पाण्डेय, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन,योगेंद्र पांडे,श्रीधर ओझा,नरसिंह राव,आलोक अवस्थी, प्रकाश झा, सुरेश गुप्ता, सुब्रतो विश्वास, राजेन्द्र बाजपेयी,सुधा मिश्रा, संग्राम सिंह राणा, दंतेश्वर राव,जयराम दास, रोहित त्रिवेद्वी,लक्ष्मण झा,ममता राणा, त्रिवेणी रंधारी, लक्ष्मी कश्यप,उमा मिश्रा,गीता मिश्रा,रोशन सिसोदिया, संजय विश्वकर्मा,राणा घोष,महेन्द्र सेठिया,देवीप्रसाद बेंजाम,हरि मंडावी,राधेश्याम पंद्रे,राजा यादव,पंकज आचार्य,अभय दीक्षित,आशुतोष पाल, शशिनाथ पाठक, गीता नाग,राजपाल कसेर,फूल सिंह सेठिया,रितेश दास जोशी,संतोष गौर,रमन चौहान, रौशन झा,अभिलाष यादव,रोहित कश्यप,बलराम बेसरा,आनंद झा,अमर झा,गणेश नागवंशी,अभिषेक तिवारी,सत्यम झा,विकास पात्रो,डीकेश नाग,कृष्णा ठाकुर,तपन डे,सूर्यभूषण सिंह,राकेश ठाकुर,दुर्जन कश्यप,रूपेश समरथ,अमित कपूर,विनय राजू,आलेख राज तिवारी, मनी विक्रम नायडू,योगेश पाणिग्रही,अनिमेष सिंह चौहान,राज देवांगन,राज पांडे,पवन गुप्ता, बृजेश कपूर,भरत कश्यप,विकास जोशी,नवीन बोथरा,प्रेम यादव,दशरथ गुप्ता,रेखा सिंह, गणेश काले,सतीश बाजपेई,विवेक साहू,रमेश नायडू,उत्तम साहू,पीलूराम, बिजली वैध, अनिता पटेल, करमजीत कौर, माधवी मण्डल, परमजीत कौर इत्यादि सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

व्यापार समाचार

सोने ने बना डाला नया रिकार्ड, खरीदने वालों को अब जेब करनी होगी ढीली, जानिए कितने रुपये हुआ सोना

नई दिल्ली(एजेंसी)। गोल्ड की कीमतों में लगातार तेजी जारी है और बुधवार को नया ऑल टाइम हाई बनाया। आईबीजेए के मुताबिक, 24 कैरेट गोल्ड की कीमत में बीते 24 घंटे में 1,477 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट के गोल्ड की कीमत 1,477 रुपये बढ़कर 94,579 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 93,102 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। 22 कैरेट गोल्ड के दाम बढ़कर 92,310 रुपये प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट गोल्ड की कीमत भी बढ़कर 76,610 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। हाजिर बाजार के साथ वायदा बाजार में भी गोल्ड की कीमतों में तेजी देखी जा रही है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर गोल्ड के 6 जून 2025 के कॉन्ट्रैक्ट का भाव 1.90 प्रतिशत बढ़कर 95,435 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी गोल्ड की कीमतें ऑल-टाइम हाई पर बनी हुई है। गोल्ड के दाम 3,320 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। गोल्ड के दाम में तेजी की वजह वैश्विक स्तर पर अस्थिरता को माना जा रहा है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वार से लोग सुरक्षित माने जाने वाले गोल्ड में निवेश कर रहे हैं, जिससे गोल्ड की कीमतों को सहारा मिल रहा है। कोटक सिक्योरिटीज में कमोडिटी रिसर्च की सहायक उपाध्यक्ष, कायनात चैनवाला ने कहा कि बढ़ते व्यापार युद्ध से जुड़ी चिंताओं के कारण गोल्ड ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छुआ। उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप के नवीनतम नीतिगत कदमों से वैश्विक स्तर पर निवेशकों में घबराहट बढ़ रही है। निवेशक अब आगामी अमेरिकी खुदरा बिक्री डेटा और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल के भाषण पर कड़ी नज़र रख रहे हैं, जो बुधवार को होने वाला है। 2025 की शुरुआत से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपये से 18,417 रुपये या 24 प्रतिशत बढ़कर 94,579 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है।

इन्फिनिक्स ने नोट 50एस 5जी+ पेश किया, जो 144 हट्र्ज़ 3डी कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ भारत का सबसे स्लिम परफॉरमेंस स्मार्टफोन है

नई दिल्ली। आधुनिक समय के स्मार्टफोन ब्रांड इन्फिनिक्स ने आज भारत में अपनी फ्लैगशिप डिवाइस - नोट 50एस 5जी+ लॉन्च की। यह एक पावरहाउस डिवाईस है, जो डिज़ाइन, परफॉरमेंस और यूज़र एक्सपीरियंस के मामले में अपेक्षाओं को बढ़ा देगी। इस फ्लैगशिप डिवाइस ने अत्याधुनिक डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी और 144हट्र्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ भारत के सबसे स्लिम स्मार्टफ़ोन* के रूप में एक नया मानक स्थापित कर दिया है। नोट 50एस 5जी+ आज से फ्लिपकार्ट पर तीन शानदार रंगों मरीन ड्रिफ्ट ब्लू (वीगन लेदर), टाइटेनियम ग्रे (मैटेलिक फ़िनिश), बरगुंडी रेड (मैटेलिक फ़िनिश) में 14,999 रुपये (सभी ऑफ़र सहित) के विशेष मूल्य में उपलब्ध है। इन्फिनिक्स इंडिया के सीईओ अनीश कपूर ने कहा, इन्फिनिक्स में हम अपने हर लॉन्च के साथ यूज़र्स की बदलती जरूरतों को पूरा करने की ओर कदम बढ़ाते हैं। अपने पिछले स्मार्टफोन, नोट 50× 5जी+ में हमने यूज़र्स के फीडबैक के आधार पर सॉफ़्टवेयर को अपग्रेड किया और एक्सओएस 15 पेश किया। हमारे इस कदम को ग्राहकों ने काफी सराहा, जिससे निर्माण प्रक्रिया में यूज़र्स को शामिल करने का हमारा विश्वास मजबूत हुआ। नोट 50एस 5जी+ में हमने प्रीमियम सीएमएफ, बेहतरीन परफॉरमेंस और सेगमेंट के सबसे स्लिम 144हट्र्ज़ कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले के साथ हमने मानकों को और अधिक बढ़ा दिया है। इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट के साथ 5500एमएएच की बैटरी दी गई है। इसलिए यह पूरे दिन हर स्वाइप, स्ट्रीम और स्क्रॉल के साथ स्मूथ परफॉरमेंस प्रदान करता है। AI-आधारित पर्सनलाइजेशन, एक्सओएस 15 और वन-टैप इन्फिनिक्स AI से स्मार्ट और इंट्यूटिव अनुभव प्राप्त होता है, वहीं 64MP सोनी IMX682 कैमरा एवं मिलिटरी-ग्रेड ड्यूरेबिलिटी से बेहतरीन स्टाईल और फंक्शन प्राप्त होता है। भारत में डिजिटल-फर्स्ट जनरेशन के लिए निर्मित, नोट 50एस 5जी+ में परफॉरमेंस, खूबसूरती और बेहतरीन मूल्य एक ही पैकेज में मिल रहा है। यह लॉन्च उपयोगी इनोवेशन प्रदान करने के हमारे सफर की एक बड़ी कामयाबी है।

वित्त वर्ष 2025 में एनएसई के 84 लाख नए खातों में ग्रो का 40 प्रतिशत योगदान

निवेशकों की बदलती प्राथमिकताओं के स्पष्ट संकेत के रूप में ग्रो वित्त वर्ष 2025 में भारत में सबसे तेजी से बढ़ते खुदरा ब्रोकिंग प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, जिसने पिछले वर्ष के दौरान अपनी बाजार हिस्सेदारी और ग्राहक आधार में लगातार विस्तार किया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के आंकड़ों के अनुसार, ग्रो के सक्रिय ग्राहक मार्च 2024 में 9.5 मिलियन से बढ़कर फरवरी 2025 में 13.01 मिलियन हो गए, जो सालाना आधार पर लगभग 37त्न की वृद्धि दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान, एनएसई पर सक्रिय डीमैट खातों की कुल संख्या 20त्न बढ़कर 40.8 मिलियन से 48.96 मिलियन हो गई। ग्रो ने कुल शुद्ध वृद्धि में लगभग 43त्न का योगदान दिया, जो इकोसिस्टम में इसकी बढ़ती प्रमुखता को दर्शाता है। प्लेटफॉर्म की बाजार हिस्सेदारी मार्च 2024 में 23.28त्न से बढ़कर फरवरी 2025 तक 26.57त्न हो गई। फरवरी 2025 को छोड़कर, जब समग्र डीमैट बेस में थोड़ी कमी आई थी, ग्रो ने पूरी अवधि में बाजार हिस्सेदारी में लगातार सकारात्मक मासिक आधार पर वृद्धि दर्ज की। औसतन, ग्रो का क्लाइंट बेस मासिक आधार पर 2.92त्न बढ़ा, जो उद्योग के 1.68त्न से काफी आगे था। ग्रो की वृद्धि इसके मोबाइल-प्रथम दृष्टिकोण और सरलीकृत यूजर्स अनुभव पर आधारित प्रतीत होती है, जो कारक खुदरा निवेशकों के बढ़ते आधार के साथ प्रतिध्वनित हो रहे हैं, विशेष रूप से टियर दूसरे, तीसरे और चौथे शहरों में। पूरे वर्ष के दौरान प्लेटफॉर्म का स्थिर प्रदर्शन एक सुसंगत अधिग्रहण रणनीति का भी संकेत देता है, जिसे इसके डिजिटल नेटिव बुनियादी ढांचे और निवेशक शिक्षा पर जोर द्वारा समर्थन प्राप्त है। व्यापक उद्योग प्रवृत्ति यह दर्शाती है कि स्वयं करें (ष्ठढ्ढङ्घ) निवेश युवा निवेशकों के बीच लोकप्रिय हो रहा है, जो पहुँच में आसानी, पारदर्शिता और ऑनबोर्डिंग को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे प्लेटफॉर्म जो इस सेगमेंट को पूरा करते हैं उनमें सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस और बुनियादी शैक्षिक सामग्री प्रदान करके पारंपरिक ब्रोकिंग मॉडल पर तेजी से पसंद किए जा रहे हैं।

कैरियर माइडिया इंडिया ने पैन-इंडिया स्टार रश्मिका मंदाना को माइडिया एचवीएसी का ब्राण्ड अम्बेसडर बनाया

पटना(एजेंसी)। भारतीय एयर कंडीशनिंग उद्योग में जाने-माने नाम कैरियर माइडिया इंडिया ने एचवीएसी कैटेगरी में अपने माइडिया ब्राण्ड के लिए अभिनेत्री रश्मिका मंदाना को ब्राण्ड अम्बेसडर नियुक्त किया है। भारत में एयर कंडीशनिंग के प्रतिस्पर्धी बाज़ार में माइडिया एचवीएसी की स्थिति को मजबूत बनाना और मार्केटिंग के ज़रिए ब्राण्ड की पंहुच बढ़ाना इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य है। यह साझेदारी ऐसे समय में की गई है जब बढ़ते शहरीकरण,

बढ़ती डिस्पोज़ेबल आय और उर्जा दक्ष कूलिंग समाधानों पर बढ़ते फोकस के साथ भारत का एयर कंडीशनिंग सेगमेन्ट विकास के दौर से गुज़र रहा है। उम्मीद है कि अगले पांच सालों में यह सेक्टर अच्छी दर से विकसित होगा, जिससे विश्वस्तरीय एवं स्वदेशी प्लेयर्स के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इस साझेदारी पर बात करते हुए संजय महाजन, चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, कैरियर माइडिया इंडिया ने कहा, ''भारत का एयर कंडीशनिंग उद्योग तेज़ी से विकसित हो रहा है और उपभोक्ता ऐसे ब्राण्ड्स की उम्मीद रखते हैं जो न सिर्फ उनके लिए शानदार प्रोडक्ट्स लेकर आएं बल्कि उनके साथ भावनात्मक संबंध भी बनाएं। माइडिया एयर कंडीशनर्स के साथ रश्मिका मंदाना की साझेदारी हमारी स्थिति को और मजबूत बनाएगी। इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए रश्मिका मंदाना ने कहा, ''माइडिया एयर कंडीशनर्स के साथ जुड़ते हुए मुझे बेहद खुशी का अनुभव हो रहा है, एक ऐसा ब्राण्ड जो सही मायनों में आज के घरों में स्मार्ट एवं प्रभावी कूलिंग का महत्व समझता है। बढ़ते तापमान और उर्जा की बढ़ती चिंता के बीच माइडिया के एयर कंडीशनर्स अपने आधुनिक तकनीक वाले समाधानों के साथ नए बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं। मैं इस यात्रा का हिस्सा बनने और इसके दृष्टिकोण को लाखों भारतीय उपभोक्ताओं तक पहुँचाने को लेकर उत्साहित हूं।'' दीपेंद्र रेढ़ू, नेशनल सेल्स एण्ड मार्केटिंग हैड, कैरियर माइडिया इंडिया ने कहा, ''यह साझेदारी ऐसे समय में की गई है जब हमारा वितरण नेटवर्क बढ़ रहा है और हम अपनी कन्ज़्यूमर आउटरीच को भी सशक्त बना रहे हैं। रश्मिका मंदाना के साथ जुड़ना निश्चित रूप से ब्राण्ड की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाएगा और इस साल देश भर में हमारी पहुंच बढ़ाने में कारगर होगा।'

सिडनी टेस्ट से खुद को बाहर रखने पर रोहित शर्मा ने तोड़ी चुप्पी, किये कई बड़े खुलासे

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2025 के समापन के बाद भारतीय टीम 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करने वाली है. ये सीरीज 20 जून से शुरू होगी. भारतीय टेस्ट और वनडे कप्तान रोहित शर्मा इस दौरे को टीम इंडिया के लिए बड़ी चुनौती करार दे रहे हैं, क्योंकि भारत 2007 के बाद से इंग्लैंड में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीतने की उम्मीद कर रहा है. रोहित ने माइकल क्लार्क से बियॉन्ड 23 क्रिकेट पॉडकास्ट पर पिछले इंग्लैंड टूर के बारे में बात करते हुए कहा, पिछली बार जब हमने इन खिलाड़ियों के साथ खेला था, तो सीरीज 2-2 से बराबर थी. हमें इनमें से कुछ खिलाड़ियों (बुमराह और शमी) को 100त्न फिट होने की जरूरत है. जिसके बाद हमारे पास

एक शानदार सीरीज होगी, और मैं जानता हूं कि ये खिलाड़ी इन दिनों किस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं. यह निश्चित रूप से हमारे लिए एक अच्छी चुनौती होगी. भारतीय कप्तान इंग्लैंड सीरीज के दौरान निश्चित रूप से आलोचनाओं का सामना करेंगे, क्योंकि वो 2024-25 बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में बुरी तरह से फ्लॉप रहे थे. 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में रोहित ने 3 मैच खेले थे और सिर्फ 31 रन बन सके थे. पहले टेस्ट में वो उपलब्ध नहीं थे जबकि आखिरी टेस्ट में खराब फॉर्म का हवाला देते हुए उन्होंने खुद को टीम से बाहर कर लिया था. रोहित ने खुद को बाहर रहने के फैसले के बारे में भी खुलकर बात की. उनकी जगह शुभमन गिल को शामिल किया गया था और भारत ने उस मैच को भी छह विकेट से गंवा दिया था. रोहित ने पॉडकास्ट में कहा, मुझे खुद के साथ ईमानदार होना था - मैं गेंद को अच्छी तरह से नहीं मार रहा था, और मैं सिर्फ खेलना नहीं चाहता था. कुछ अन्य खिलाड़ी भी संघर्ष कर रहे थे, और हम वास्तव में चाहते थे कि गिल खेलें.

राजस्थान में छोटे व्यापारियों के लिए जियो साउंड पे ने आसान बनाया यूपीआई भुगतान

जयपुर(एजेंसी)। रिलायंस जियो के जियो भारत फोन का साउंड पे फीचर राजस्थान में छोटे व्यापारियों के लिए यूपीआई भुगतान को आसान और किफायती बना रहा है। जहां अन्य यूपीआई प्लेटफॉर्म 125 रुपए प्रति माह चार्ज करते हैं, वहीं जियो भारत फोन में यह सेवा बिना किसी अतिरिक्त शुल्क और डिवाइस के उपलब्ध है। इस सुविधा के जरिए व्यापारियों को रियल-टाइम ऑडियो पेमेंट अलर्ट मिलता है। राजस्थान में लगभग 26.87 लाख एमएसएमई संचालित हैं, जिनमें थोक और खुदरा व्यापारी भी शामिल हैं। उनके लिए जियो भारत

फोन एक किफायती डिजिटल लेनदेन उपकरण साबित हो रहा है। सिर्फ 699 रुपए की कीमत में मिलने वाला यह 4जी फोन सालाना 1500 रुपए की बचत कराता है। साथ ही, इसमें जियो पे, जियो सिनेमा, जियो सावन और 455 प्लस लाइव टीवी चैनल जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। अजमेर की ई-मित्र संचालक गायत्री तुनवाल ने बताया कि अब वह यूपीआई भुगतान की जानकारी के लिए एंड्रॉयड फोन की जगह जियो भारत फोन इस्तेमाल कर रही हैं। उनका फोन यूपीआई पेमेंट की सूचना खुद देता है, जिससे महंगे साउंड बॉक्स की जरूरत खत्म हो गई।

बीसीसीआई का बड़ा एक्शन, गौतम गंभीर के स्टाफ से 3 कोच किए बाहर, चौंकाने वाली वजह आई सामने

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज 2024-24 में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन के बाद गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ पर अपना चाबुक चलाया है. ऑस्ट्रेलिया में भारत की 1-3 से सीरीज हार के बाद अब बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ-साथ क्षेत्ररक्षण कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को उनके पदों से हटा दिया है. बीजीटी 2024-25 में रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम 1-3 से हार गई और सीरीज के दौरान कई खबरें लीक हुईं. सीरीज हारना खेल का हिस्सा है, लेकिन ड्रेसिंग रूम से खबरें लीक होना एक आश्चर्य की बात थी. ऐसी खबरें थीं कि एक निश्चित खिलाड़ी टीम का अंतरिम कप्तान बनना चाहता था,

फिर एक और चौंकाने वाली रिपोर्ट आई जिसमें आरोप लगाया गया कि भारत के कोच गौतम गंभीर ने लीक हुई खबरों के लिए सरफराज खान को जिम्मेदार ठहराया था. रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने हरकत में आते हुए सहायक कोच अभिषेक नायर को बर्खास्त कर दिया है. नायर को महज 8 महीने पहले ही गौतम गंभीर का सहायक नियुक्त किया गया था. हालांकि, इस घटनाक्रम के संबंध में बीसीसीआई की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. रिपोर्ट में आगे दावा किया गया है कि बीसीसीआई ने हाल ही में एक नोटिस भेजा है जिसमें कहा गया है कि जो भी सपोर्ट स्टाफ 3 साल से अधिक समय से टीम के साथ है, उसे सेवा से हटाया जा सकता है. रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फील्डिंग कोच टी दिलीप और ट्रेनर सोहम देसाई, जो तीन साल से टीम के साथ हैं, को भी सेवा से हटा दिया गया है. नायर और दिलीप की जगह कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी. घरेलू क्रिकेट के महान खिलाड़ी सीतांशु कोटक बल्लेबाजी कोच के रूप में पहले से ही टीम से जुड़े हुए हैं. सहायक कोच रेयान टेन डोएशेट कथित तौर पर टी दिलीप की जगह फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे क्योंकि बीसीसीआई ने नायर या पूर्व फील्डिंग कोच के लिए अभी तक किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की है. बता दें कि, नए सपोर्ट स्टाफ के इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरू होने वाली 5 मैचों की अहम टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय टीम में शामिल होने की उम्मीद है.

इंडियन ऑयल के एक्स्ट्रापॉवर फ्लीट कार्ड लॉयल्टी प्रोग्राम को मिला स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025

मुंबई। इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के प्रमुख एक्स्ट्रापॉवर फ्लीट कार्ड लॉयल्टी प्रोग्राम को डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन ङ्क बिज़नेस प्रोसेस ट्रांसफॉर्मेशन श्रेणी में स्कॉच गोल्ड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार 100वें स्कॉच समिट के दौरान प्रदान किया गया, जो इंडियनऑयल द्वारा परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र के लिए नवाचार और ग्राहक-केंद्रित डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के प्रयासों को मान्यता देता है। इस प्रोग्राम ने फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए ईंधन प्रबंधन के तरीके को एक सुरक्षित, सुगम और तकनीक-सक्षम मंच के माध्यम से पूरी तरह से बदल दिया है। यह पुरस्कार श्री समीर कोचर, अध्यक्ष, स्कॉच डेवलपमेंट फाउंडेशन द्वारा इंडियनऑयल की टीम को प्रदान किया गया। स्कॉच अवाड्र्स भारत के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक हैं, जो शासन, वित्त, प्रौद्योगिकी और सामाजिक प्रभाव के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए दिये जाते हैं। इस वर्ष के पुरस्कारों में अग्रणी बैंक, सरकारी संस्थाएं, प्रौद्योगिकी कंपनियां और निजी क्षेत्र के संगठनों की भागीदारी रही। इंडियनऑयल का चयन एक बहु-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया के बाद हुआ, जिसमें अंतिम प्रस्तुति 11 मार्च 2025 को दी गई थी। एक्स्ट्रापॉवर फ्लीट कार्ड प्रोग्राम आज देशभर में लाखों फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए एक भरोसेमंद समाधान बना हुआ है, जो रीयल-टाइम नियंत्रण, पारदर्शिता और मूल्य वर्धित सुविधाएं प्रदान करता है।

वित्तीय स्वतंत्रता, आपके अपने तरीके से टाटा एआईए ने स्मार्ट सुरक्षा और विकास के लिए लॉन्च किया शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान

मुंबई। जीवन सपनों से भरा है- घर खरीदना, अपने बच्चे की शिक्षा के लिए पैसे जुटाना, शानदार छुट्टियों की योजना बनाना या चिंता मुक्त सेवानिवृत्ति का आनंद लेना। इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए वित्तीय सुरक्षा काफी नहीं है, आपको चाहिए एक ऐसी योजना जो आपकी आवश्यकताओं के अनुसार बदलती रहे। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक, टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स कंपनी लिमिटेड (टाटा एआईए) ने टाटा एआईए शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान लॉन्च किया है। यह एक नया जीवन बीमा बचत समाधान है जो वित्तीय सुरक्षा और संपत्ति बनाने के लिए एक लचीला दृष्टिकोण देता है। इस प्लान को आपके साथ विकसित होने के लिए डिज़ाइन किया गया ङ्क लचीलापन इसकी विशेषता है शुभ फ्लेक्सी इनकम प्लान एक नॉन-लिंक्ड, पार्टिसिपेटिंग जीवन बीमा बचत योजना है। इसमें आपको अपनी अनूठी आकांक्षाओं के आधार पर अपनी वित्तीय योजना को अनुकूलित करने का अधिकार मिलता है। यह योजना आपको शुरूआत से ही लचीलापन देते हुए, तीन अनुकूलित विकल्प प्रदान करती है, यह हर विकल्प विशिष्ट वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है:

एंडोमेंट विकल्प - दीर्घकालिक बचत बनाने के लिए आदर्श है। इसमें आपको योजना के अंत में एकमुश्त भुगतान मिलता है। घर खरीदने, अपने बच्चे की शिक्षा या भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे बड़े जीवन लक्ष्यों के लिए बहुत बढ़िया है।

प्रारंभिक आय विकल्प - जो लोग नियमित नकदी प्रवाह चाहते हैं, उन्हें इस विकल्प में योजना के पहले वर्ष से वार्षिक नकद बोनस मिलता है।

विलंबित आय विकल्प - दीर्घकालिक धन जुटाने या प्रारंभिक सेवानिवृत्ति की योजना बनाने वाले लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस विकल्प में प्रीमियम भुगतान अवधि के बाद नकद बोनस मिलता है, साथ ही बढ़ी हुई वृद्धि के लिए भुगतान को स्थगित करने की सुविधा भी मिलती है।

लचीलापन इस योजना का मुख्य लाभ है - इसमें उपभोक्ता अपनी परिस्थितियों के अनुसार अपने वित्तीय दृष्टिकोण को समायोजित कर सकते हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक- 1889 /NIT-1/2025-2026/ व ले लि — दिनांक : 16/04/2024

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि:- 28/04/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि:- 02/05/2025 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 05/05/2025 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख मे) अमानत राशि(रू.मे)
1	2	3
1 T0001	बेमेतरा उपसंभाग के अंतर्गत सर्किट हाउस, में गार्डन मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य	5.00 3750.00

निविदा संबंधी शर्तो का अवलोकन संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

G-252600323/3

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, बेमेतरा

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 19 अप्रैल 2025

कई जिलों में बदली और बारिश की आशंका : मौसम विभाग

रायपुर (विसं)। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश, गरज-चमक और बूंदाबांदी हो सकती है. प्रदेश में चक्रवाती परिसंचरण और द्रोणिका का असर दिखाई दे रहा है, जिसके चलते एक-दो स्थानों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की भी संभावना जताई गई है. इसके बाद तापमान में बढ़ोतरी का दौर शुरू हो सकता है. अगले तीन दिनों के भीतर अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक इजाफा होने की संभावना है. मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों में मध्य छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस और उत्तर छत्तीसगढ़ में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना जताई है.

मध्य भारत का सबसे बड़ा कैरियर फेयर 19 अप्रैल को

प्रसिद्ध शिक्षाविद और हस्तियां युवाओं को देंगे कैरियर मार्गदर्शन

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा कैरियर मार्गदर्शन का आयोजन कैरियर ब्लूम द्वारा 19 अप्रैल को किया जा रहा है। इस आयोजन में प्रसिद्ध शिक्षाविद और हस्तियां कैरियर मार्गदर्शन युवाओं को देंगे। रायपुर के अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से कार्यक्रम की शुभारंभ होगा। कैरियर ब्लूम की संचालक श्रीमती नेहा जैन ने बताया कि 12 वीं कक्षा की पढ़ाई के बाद ज्यादातर युवा अपने कैरियर को लेकर कंफ्यूज रहते है, उन्हें सही मार्गदर्शन नहीं मिल पाता है, ऐसे में इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा और इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए इंडिया लेवल की यूनिवर्सिटीज आ रही है, प्रदेश व देश के प्रसिद्ध हस्तियां एवं शिक्षाविद छात्राओं का मार्गदर्शन देंगे। इस अवसर पर एक लक्की ड्रा भी निकाला जाएगा। जिसमें एप्पल का आईपैड दिया जाएगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने यातायात के जवानों को वितरण किया पानी बॉटल एवं इलेक्ट्रॉल पाउडर

चौक-चौराहा पर धूप से बचने दिए गए छतरी

गर्मी के मौसम में सभी जवानों को अपने पास पर्याप्त पानी एवं इलेक्ट्रॉन पाउडर रखने दिया निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉक्टर लाल उमेद सिंह के आदेशानुसार यातायात ड्यूटी में तैनात अधिकारी कर्मचारियों को गर्मी से राहत एवं डिहाईड्रेशन से बचाव के उद्देश्य से पानी बोतल, इलेक्ट्रॉन पाउडर एवं छतरी वितरण करने निर्देशित किया गया था जिसके परिपालन पर डॉक्टर प्रशांत शुक्ला अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर, श्री सतीश ठाकुर एवं श्री गुरजीत सिंह उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर की उपस्थिति में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय के हाथों से यातायात व्यवस्था में तैनात अधिकारी कर्मचारियों को पानी बोतल इलेक्ट्रॉन पाउडर एवं छतरी का वितरण किया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा यातायात में तैनात सभी अधिकारी कर्मचारियों को ड्यूटी के दौरान हमेशा पानी बोतल रखने, इलेक्ट्रॉल पाउडर का उपयोग करने एवं छतरी के नीचे रहकर ड्यूटी करने निर्देश दिए। साथ ही रायपुर शहर की यातायात को सुगम सुरक्षित करने सभी अधिकारी कर्मचारियों को हर संभव प्रयास करने हेतु अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने बताया गया।

श्री गुरजीत सिंह उप पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर के द्वारा यातायात पुलिस रायपुर की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय का आभार प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ में भाजपा का प्रदर्शन, सोनिया, राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी

रायपुर (विसं)। नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। इसी कड़ी में कोरबा में कांग्रेस कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। कोरबा में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने पहुंचे भाजपाइयों ने पुलिस वेरिकोटिंग को तोड़ दिया और कांग्रेस कार्यालय तक पहुंच गए। यहां उन्होंने कांग्रेस नेताओं का पुतला दहन किया। कोरबा महापौर संजू देवी राजपूत भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता और पार्षद नरेंद्र देवांगन समेत अन्य भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस संगठन पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज शर्मा ने बताया कि कांग्रेस कार्यकाल में जो भ्रष्टाचार हुए हैं और उनके काले कारनामे जो सामने आ रहे हैं जहां लगातार छापेमार कार्रवाई की जारी है उससे कांग्रेस बौखलाई हुई है। भाजपा चाहती है कि निष्पक्ष जांच हो जिसकी विरोध में आज पुतला दहन और कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया गया।

मध्यप्रदेश के ग्राम कछाला में जैन मुनियों के साथ हुए मारपीट, जानलेवा हमला, लूटपाट की घटना एवं मुम्बई विले पार्ले स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर मंदिर में तोड़फोड़

सकल जैन समाज ने निकाली रैली, धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों से अधिकारों की रक्षा हेतु प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

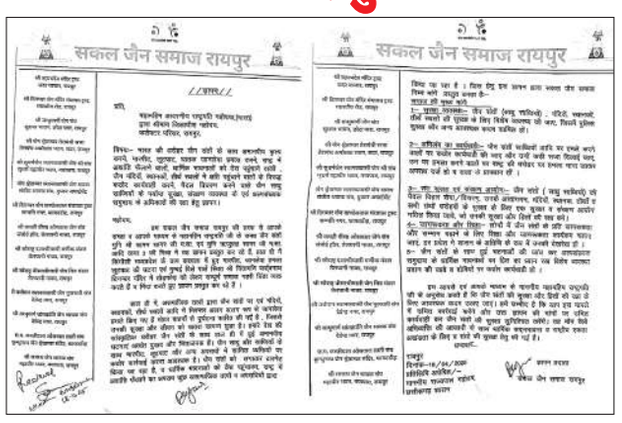

रायपुर (विश्व परिवार)। आज सकल जैन समाज रायपुर की तरफ से सदर जैन मंदिर से कलेक्ट्रेट तक मौन रैली निकाल कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन के द्वारा जैन संतों मुनि श्री ऋषभ सागर जी म.सा. एवं मुनि ऋजुप्रज्ञ सागर जी म.सा. आदि ठाना 2 की निश्रा में सिंगौली मध्यप्रदेश के ग्राम कछाला में हुए मारपीट, जानलेवा हमला, लूटपाट की घटना एवं मुम्बई विले पार्ले स्थित श्री चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर मंदिर में तोड़फोड़ को लेकर सम्पूर्ण समाज गहरी चिंता व्यक्त करते हैं व निंदा करते हुए ज्ञापन दिया गया।

हाल ही में, असमाजिक तत्वों द्वारा जैन संतों पर एवं मंदिरों, स्थानकों, तीर्थ स्थलों आदि में निरन्तर अलग अलग रूप से जानलेवा हमले किए गए हैं मोटर वाहनों से दुर्घटना कारित की गई है, जिससे उनकी सुरक्षा और जीवन को खतरा उत्पन्न हुआ है। हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर जैन संतों के साथ हाल ही में हुई अमानवीय घटनाएं अत्यंत दुखद और चिंताजनक हैं। जैन साधु और साध्वियों के साथ मारपीट, लूटपाट और अन्य अपराधों में शामिल व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई करना आवश्यक है। जैन संतों को लगातार टारगेट किया जा रहा है, व धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाकर, राष्ट्र में अशांति फैलाने का अपराध कुछ असामाजिक तत्वों व अपराधियों द्वारा किया जा रहा है। जिस हेतु इस ज्ञापन द्वारा सकल जैन समाज निम्न मांगें प्रस्तुत करता है:-

समाज की मुख्य मांगें- सुरक्षा व्यवस्था- जैन संतों (साधु साध्वियों) मंदिरों स्थानकों. तीर्थ स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की जाए, जिसमें पुलिस सुरक्षा और अन्य आवश्यक कदम शामिल हों। उन पर हमला करने वालों पर राष्ट्र की धरोहर पर हमला माना जाकर अपराध दर्ज हो व सजा के प्रावधान हों। संत सुरक्षा एवं संरक्षण आयोग- जैन संतों (साधु साध्वियों) की पैदल विहार सेवा/विचरण, उनके आवागमन, मंदिरों, स्थानक, तीर्थों व सभी ग्रंथों धरोहरों के सुरक्षा के लिए एक सुरक्षा व संरक्षण आयोग गठित किया जावे, जो उनकी सुरक्षा और हितों की रक्षा करे। जागरूकता और शिक्षा- लोगों में जैन संतों के प्रति जागरूकता और सम्मान बढ़ाने के लिए शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम चलाए- जाएं, हर प्रदेश मे शासन के अतिथि के रूप में उनकी देखरेख हो। जैन संतों के साथ हुई घटनाओं की जांच कर अल्पसंख्यक समुदाय के धार्मिक भावनाओं का हित का ध्यान रख विशेष व्यवस्था प्रदान की जावे व दोषियों पर कठोर कार्यवाही हो।

ज्ञापन के माध्यम से माननीय महामहिम राष्ट्रपति जी से अनुरोध करते हैं कि जैन संतों की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। हमें उम्मीद है कि आप इस मामले में उचित कार्रवाई करेंगे और उक्त ज्ञापन की मांगों पर उचित कार्यवाही कर जैन संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। यह मौन रैली अभिव्यक्ति की आजादी के साथ धार्मिक सद्भावना व राष्ट्रीय एकता अखंडता के लिए व संतो की सुरक्षा हेतु की गई है।

शांतिपूर्ण रैली में बच्चे, महिलाएं, व जैन समाज के सभी घटक प्रमुखों ने सहभागिता निभाई।

अंतर्दलीय नाट्य स्पर्धा 2025 का समापन, खैरागढ़ ट्रॉफी पर राणा दल का कब्जा

रायपुर (विश्व परिवार)। राजकुमार कॉलेज, रायपुर में विगत दो दिनों से आयोजित अंतर्दलीय नाट्य स्पर्धा 2025 का आज समापन हुआ। राणा दलने सर्वाधिक अंक अर्जित कर खैरागढ़ के मेजर राजा बहादुर बिरेन्द्र बहादुर सिंह द्वारा प्रदत्त खैरागढ़ ट्रॉफी पर कब्जा किया7 प्रतियोगिता के प्रथम दिवस पर विद्यार्थियों द्वारा चार दलों, क्रमशःआर्य, बिक्रम, राजपूत और राणा के विद्यार्थियों द्वारा अंग्रेजी के चार नाटकों का मंचन किया गयाऔरदूसरे दिन चार हिंदी नाटकों की प्रस्तुति हुई। ज्ञात हो कि यह प्रतियोगिता प्रतिवर्ष आयोजित कराई जाती है जिसके माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी अभिनय कला दिखाने का सुअवसर प्राप्त होता है।

प्रथम दिवस पर अंग्रेज़ी के चार नाटकों अ मिड समर नाइट्स ड्रीम, द बॉय हू ब्रोक द बैंक, वन्स अपॉन अ टाइम और द होम कमिंग का मंचन हुआ। द्वितीय दिवस पर हिंदी के प्रसिद्ध रचनाकार फणीश्वर नाथ रेणु की रचनाओंपर आधारित हिंदी के चार नाटकोंमारे गए गुलफ़ाम, ठेस, कितने चौराहे और पंचलाइट का मंचन हुआ। प्रथम दिवस के निर्णायक मंडल के सदस्यडॉ. रविशंकर पाणिकर, श्री वैभव किशोर और श्रीमती नुपुर गुप्ता थे तथा द्वितीय दिवस के निर्णायक मंडल के सदस्य श्रीमती वनजा भावे, श्री नीरज गुप्ता और श्री पी.के. निमोनकर थे। प्रतियोगिता के समापन पर प्राचार्य महोदय ने विद्यार्थी कलाकारों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं इस कार्यक्रम से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों के योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि अभिनय कला के विकास के लिए ऐसे आयोजन में विद्यार्थी बढ़-चढ़कर भाग लें और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए हमेशा तत्पर रहें।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे- अंग्रेजी नाटक वर्ग- सर्वश्रेष्ठ अभिनेताङ्क नील मुखोपाध्याय(राणा दल), सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री- अद्रिजा कुमारी देवी (राणा दल), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता- चैतन्य मोड़क (बिक्रमदल), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री- आयुषि सेठिया (राजपूत दल), सर्वश्रेष्ठ बाल कलाकार- यथार्थ केला (राजपूत दल)।

हिंदी नाटक वर्ग- सर्वश्रेष्ठ अभिनेताङ्क घनिष्ठ प्रताप दुग्गड़ (आर्य दल), सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री- तमन्ना सिदार (राणा दल) व पलक अग्रवाल(आर्य दल), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता- प्रियांशु भाटी(राणा दल), सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री- श्रेयल जैन (राजपूत दल)।

अंकों के आधार पर दलों की क्रमवार स्थिति इस प्रकार रही- प्रथम स्थान- राणा दल, द्वितीय स्थान- राजपूत दल, तृतीय स्थान- आर्य दल, चतुर्थ स्थान- बिक्रम दल।

सुशासन तिहार 2025 : साय सरकार की संवेदनशील पहल

महज 24 घंटे के भीतर मनोहर सिंह पटेल को हाथ में मिला आयुष्मान कार्ड

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अभिनव पहल सुशासन तिहार जनकल्याण और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है। इस अभियान के तहत महासमुंद जिले में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। पिथौरा विकासखंड के ग्राम पंचायत जंघोरा निवासी श्री मनोहर सिंह पटेल ने आयुष्मान भारत योजना के तहत आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था, लेकिन तकनीकी कारणवश उनका कार्ड नहीं बन पाया था, जिससे उन्हें योजना को लाभ नहीं मिल पा रहा था। सुशासन तिहार के मद्देनजर कलेक्टर श्री विनय लंगेह के मार्गदर्शन में उनके आवेदन को गंभीरता से लिया गया और मात्र 24 घंटे के भीतर समाधान कर दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा द्वारा 15 अप्रैल 2025 को सूचना दी गई कि उनका आयुष्मान कार्ड बनकर तैयार हो गया है और अगले ही दिन उन्हें कार्ड हाथों में प्रदान कर दिया गया। इस त्वरित कार्रवाई से प्रसन्न होकर श्री पटेल ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सरकार की इस संवेदनशील पहल से मुझे और मेरे परिवार को स्वास्थ्य सुरक्षा की बड़ी सुविधा प्राप्त हुई है। अब अच्छे इलाज के लिए इस कार्ड का उपयोग कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड एक ऐसा स्वास्थ्य बीमा कार्ड है, जिसके माध्यम से पात्र परिवारों को हर साल 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज भारत सरकार द्वारा अधिकृत अस्पतालों में प्राप्त होता है।

अब ग्रामीण जान चुके हैं बंदूक नहीं, विकास की राह ही बदलाव का मार्ग है : उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

प्रदेश का पहला नक्सल सदस्य मुक्त ग्राम पंचायत बना सुकमा जिले का बडेसट्टी गांव

रायपुर (विश्व परिवार)। उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने सुकमा जिले में 11 सक्रिय माओवादियों के सामूहिक आत्मसमर्पण को ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने नक्सलवाद के समाधान के लिए जिस संवेदनशील और दूरदर्शी नीति को अपनाया है, उसका परिणाम अब ज़मीनी स्तर पर दिखने लगा है। आज का आत्मसमर्पण इस बात का प्रमाण है कि विश्वास, पुनर्वास और विकास की त्रिस्तरीय रणनीति से माओवादियों को मुख्यधारा से जोड़ने में सफलता मिल रही है। मैं आत्मसमर्पण करने वाले सभी का स्वागत करता हूँ और उन्हें एक नए जीवन की शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

छत्तीसगढ़ शासन की नक्सलवादी आत्मसमर्पण एवं पीड़ित राहत पुनर्वास नीति- 2025 एवं नक्सली इलवद पंचायत योजना के तहत, आज सुकमा जिले की ग्राम पंचायत बड़ेसट्टी से कुल 11 सक्रिय नक्सलियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय सुकमा में आत्मसमर्पण किया। इस प्रकार बडेसट्टी ग्राम नक्सल सदस्य मुक्त होने वाला प्रदेश का पहला ग्राम पंचायत होगा। इस योजना के तहत ग्राम पंचायत को 1 करोड़ रुपये के निर्माण कार्यों की स्वीकृति मिलेगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नियद नेल्लानार योजना, पुलिस जवानों की सतत उपस्थिति, नक्सली संगठनों की क्रूरता और भेदभाव तथा शासन की नई नीतियों से मिले भरोसे से मिली। यह घटना न केवल बड़ेसट्टी पंचायत के लिए, बल्कि समूचे सुकमा और बस्तर अंचल के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि अब बंदूक नहीं, विकास की राह ही बदलाव का मार्ग है। उपमुख्यमंत्री ने कहा की अब नक्सलमुक्त ग्राम पंचायत घोसित होने की शुरुआत सुकमा जिले से हो चुकी है, निश्चित रूप से बस्तर सहित पूरे प्रदेश के ग्राम पंचायत अब नक्सलमुक्त होंगे। नक्सलमुक्त होते ही ग्राम पंचायत का भी विकास होगा।

नक्सली इलवद पंचायत योजना के तहत ऐसे ग्राम पंचायतों को जहाँ से सभी सक्रिय नक्सली संगठन छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटते हैं, नक्सल-मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जाता है। शासन की इस योजना के अंतर्गत ऐसे ग्राम पंचायतों को 1 करोड़ की राशि निर्माण कार्यों हेतु तत्काल स्वीकृत की जाती है। यह राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, सामुदायिक भवन जैसे प्राथमिक ढांचे के विकास में व्यय की जाती है, जिससे क्षेत्र में स्थायी शांति और विकास सुनिश्चित किया जा सके।आत्मसमर्पित माओवादियों में से चार पर दो-दो लाख रुपये और एक पर पचास हजार रुपये का कुल ?8.50 लाख का इनाम घोषित था। सभी आत्मसमर्पितों को पुनर्वास नीति के अंतर्गत 50,000 की प्रोत्साहन राशि, वस्त्र और अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की गईं हैं। शासन द्वारा उन्हें आगे स्वरोजगार, शिक्षा और सामाजिक पुनःस्थापन की दिशा में हर संभव सहायता दी जाएगी।

मैक में पुरस्कार वितरण समारोह, टॉपर्स को किया गया सम्मानित

रायपुर (विश्व परिवार)। महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज, समता कॉलोनी, रायपुर (मैक) में 18/04/25 को पुरस्कार वितरण समारोह कार्यक्रम में कॉलेज के यूनिवर्सिटी टॉपर, क्लास टॉपर एवं मेधावी एवं रोवर-रेंजर को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमर अग्रवाल विधायक बिलासपुर तथा मैक चेयरमेन श्री रमेश अग्रवाल, पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरंभ मैक म्युजिक के सुमधुर संगीत से हुआ उसके पश्चात् विद्यार्थियों ने जोश व उत्साह से देशभक्ति नृत्य की प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समा बांधा।

कॉलेज के शैक्षणिक सत्र 2023-24 में सभी विभाग से सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को टॉपर अवॉर्ड, क्लास बेस्ट से नवाजा गया। साथ ही साथ मैक रोवर रेंजर के छात्र छात्राओं को विभिन्न पुरुस्कारों से सम्मानित किया गया। मैक फिएस्टा के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रम जिसमें ग्रुप, ब्राइडल, फैशन शो, नृत्य (एकल और सामूहिक), सुर प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ एम. एस. मिश्रा. स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होनें कहा कि हमारे कॉलेज शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों में छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते आ रहे है। हर वर्ष विद्यार्थी विश्वविद्यालय के मेरिट सूची में आकर कॉलेज का नाम रोशन कर रहे है।

पूर्व चेयरमेन श्री राजेश अग्रवाल जी ने कहा कि मैक कॉलेज के विद्यार्थियों के भविष्य के निर्माण करने का एक जरिया है। इसका पहला उदाहरण हर वर्ष कॉलेज के बच्चे मेरिट में आकर नये आयाम गढ़ रहे है और कॉलेज का परचम फहरा रहें है।

मुख्य अतिथि श्री अमर अग्रवाल जी ने अपने उद्बोधन मे कहा देश में 1986 में एजुकेशन पॉलिसी बनी थी। माननीय प्रधानमंत्री ने 2014 में नई शिक्षा नीति का निर्माण आरंभ कर दिया था, जो कि एन.ई.पी. 2020 रूप में फलीभूत हुई है। जिसका उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना एवं शिक्षा के स्तर को वैश्विक स्वरूप में लाने की प्रयत्न की जा रही है। चेयरमेन श्री रमेश अग्रवाल जी ने कहा कि आज वार्षिक पुरस्कार वितरण हो रहा इसका उत्साह, जोश छात्र-छात्राओं में देखने को मिला। मैक अपने छात्र-छात्राओं की भविष्य के लिए हमेशा अग्रसर रहेगा। मैक कॉलेज अत्यंत सर्वसुविधायुक्त कॉलेज है। जहां प्रत्येक विद्यार्थी प्रवेश पाने के लिए आगन्तुक रहते है।

यह पूरा कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एम. एस. मिश्रा. एवं एडमिनिस्ट्रेटर सुश्री शिवांगी मिश्रा के मार्गदर्शन में तथा कार्यक्रम इंचार्ज श्रीमति वर्तिका श्रीवास्तव के निर्देशन आयोजित हुआ।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354